

नीट परीक्षा पास कराने के नाम पर करोड़ों की ठगी करने वाला गिरोह पकड़ा, मुख्य सरगना समेत दो गिरफ्तार ,

साइबर क्राइम थाना लखनऊकी बड़ी कार्रवाई

लखनऊ(संवाददाता)। साइबर क्राइम पुलिस थाना कमिश्नरेट लखनऊ ने नीट अभ्यर्थियों और उनके परिजनों को मंडिकल कॉलेज में प्रवेश दिलाने का झांसा देकर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस संगठित गिरोह के मुख्य सरगना प्रेमशंकर विद्यार्थी और उसके सहयोगी संतोष कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने मोबाइल फोन, कंप्यूटर, मोहरें बैक दस्तावेज, पहचान पत्र और 4.98 लाख रुपये नकद समेत भारी मात्रा मेंआपतिजनक सामग्री बरामद की है।यह पूरी कार्रवाई पुलिस आयुक्त के निर्देश और संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपरध) एवं मुख्यालय) की निगरानी में पुलिस उपायुक्त तथा अपर पुलिस उपायुक्त (अपरध) के पर्येक्षण में साइबर क्राइम थाना प्रभारी निरीक्षक ब्रूजेश कुमार यादव की नेतृत्व वाली टीम ने अंजाम दी।वारदात का खुलासा एक पीछित विजय बहादुर की शिकायत पर शुरू हुआ, जिन्होंने बताया था कि आरोपियों नेहिंद इंस्टीट्यूट ऑफ मंडिकल साइंसेज के नाम पर फर्जी वेबसाइट, फर्जी सोशल मीडिया पेज और फर्जी बैक खाता खोलकर उनसे 45 लाख रुपये ठग लिए। जांच में सामने आया कि गिरोह ने राजेश वर्मा, दीप सिंह और प्रीति सिंह सहित कई अन्य अभ्यर्थियों को भी एडमिशन

बिजली के निविदा कर्मचारियों का जोरदार प्रदर्शन,सड़क पर बिछा कारपेट

लखनऊ,। राजधानी लखनऊ में उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के मुख्यालय शक्ति भवन के बाहर बुधवार सुबह से ही सैकड़ें निविदा कर्मचारी धरने पर बैठ गए। कर्मचारियों ने सड़क पर कारपेट बिछाकर पूरा मार्ग जाम कर दिया। आवाजाही पूरी तरह बंद हो गई। प्रदर्शनकारियों ने इंकलाब जिंदाबाद, तानाशाही नहीं चलेगी के नारे लगाए। सरकार पर अनदेखी का आरोप लगाया। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का कहना है कि आउटसोर्सिंग और निविदा आ्ार पर काम कर रहे कर्मचारी 10,000–11,000 की तनख्वाह पर कठिन ख़ूटी करते हैं लेकिन अब विभाग उन्हें हटाने की तैयारी कर रहा है। सरकार उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रही। लगातार घंटनी का खतरा बना हुआ है। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है। निविदा कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद खालिद ने कहा कि पावर कॉर्पोरेशन में कमीशनखोरी की वजह से निविदा कर्मचारियों को हटाने की कवायद चल रही है। प्रदेश में बिजली व्यवस्था सुखाने में सबसे ज्यादा मेहनत आउटसोर्सिंग और निविदा कर्मचारी करते हैं। 11,000 की तनख्वाह पर काम करने वालों को हटाना सत्सर गलत है। सिरस्टम हम समालते हैं और सजा हमें मिल रही है। उन्होंने कहा कि पहले किए गए प्रदर्शन के बाद 18,000 न्यूतम केन तय करने का आदेश तो जारी हुआ, लेकिन आज तक लूगू नहीं किया गया। जनमर हंगामे के बाद प्रशासन ने शक्ति भवन के बाहर भारी पुलिस फोर्स की तैनाती कर दी। सुरक्षा के मद्देनजर शक्ति भवन से जीएसटी ऑफिस की ओर जाने वाला रास्ता भी बंद कर दिया गया।

गंभीर रोगों से ग्रस्त शिक्षकों की होगी घर के नजदीकी स्कूल में तैनाती

लखनऊ,)। निदेशक बेसिक शिक्षा प्रताप सिंह बघेल ने कहा,कुछ शिक्षक गंभीर रोगों से ग्रस्त हैं अब उनकी तैनाती घर से नजदीकी विद्यालयों में की जायेगी। ऐसे मामलों में समायोजन की जिम्मेदारी अब बीएसए को दी गयी है। पूर्व मेंयह स्थानांतरण निदेशालय स्तर पर होता था जिसमें बदलाव किया गया है। टीईटी के सवाल पर कहा, टीईटी टीएर एलिजिबिलिटी परीक्षा को लेकर हाईकोर्ट का आदेश है जिसके तहत हर शिक्षक को टीईटी परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है, समाधान निकलेगा। इस मामले को लेकर शिक्षण कार्य कहीं प्रभावित नहीं हो रहा है। एसआईआर को लेकर बोले, एसआईआर स्पेशल इंटेंसिव रव्ीजन राष्ट्रीय कार्यक्रम है। इसमें पिछले कार्यक्रमों की तुलना में कम शिक्षकों की ख़ूटी लगायी गयी है। अधिकांश स्कूलों से एक– एक शिक्षकों की ही ख़ूटी लगायी गयी है। निदेशक ने बताया कि प्रदेश में करीब 50 हजार बाल बाटिकाएँ चल रही हैं जिसमें 38 लाख बच्चे प्री प्राइमरी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इन स्कूलों को शिक्षण कार्य से लेकर सुविधाओं तक को स्मार्ट किया जा रहा है। सर्वाधिक लाभ परिषदीय विद्यालयों को होगा।यहां से निकले बच्चे प्राथमिक स्कूलों में कक्षा एक में प्रवेश ले सकेंगे। निदेशक ने बताया कि 69 हजार शिक्षकों की भर्ती का मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। 5 हजार शिक्षकों की भर्ती का मामला प्रक्रियाधीन है। शिक्षण कार्य बेहतर होने का परिणाम है कि स्कूलों में छात्रों की संख्या बढ़ी है। कक्षा 6 से 8 तक के बच्चों को शिक्षा के साथ कौशल विकास का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

विवाह पंचमी पर अयोध्या में भव्य ध्वजारोहण समारोह, प्रधानमंत्री की उपस्थिति में रामनगरी संस्कृति और भक्तिभाव से हुई सराबोर

अयोध्या। विवाह पंचमी के पावन अवसर पर श्री राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर आयोजित ऐतिहासिक ध्वजारोहण समारोह ने संपूर्ण रामनगरी को दिव्य उत्सव में बदल दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गरिमामय उपस्थिति और उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा प्रस्तुत भव्य सांस्कृतिक आयोजनों के बीच अयोध्या भक्तिमय उल्लास से सराबोर रही। लोक कलाओं, संगीत, नृत्य और पारंपरिक वाद्यों से सजी इस सांस्कृतिक संंध्या में 500 से अधिक कलाकारों की प्रस्तुतियों ने शहर को अद्भुत आ् यात्मिक आभा से आलोकित किया।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने कहा कि श्री राम मंदिर पर ६ वजारोहण केवल धार्मिक परंपरा का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय गौरव और सनातन आस्था का प्रतीक है। अयोध्या धाम अपनी प्राचीन लोककलाओं, परंपराओं और संस्कृति को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत कर रहा है। 24 और 25 नवंबर को आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्थानीय कलाकारों ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों से रामनगरी के वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

प्रधानमंत्री के ‘एक भारत, श्रेष्ठ भारत’ के संकल्प को साकार करने के लिए अयोध्या के विभिन्न स्थलों पर अलग–अलग सांस्कृतिक झलकियां निरंतर गूंजती रहीं, जिसने शहर की पहचान को एक नई ऊंचाई दी।ध्वजारोहण समारोह में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोक कलाकारों ने पारंपरिक नृत्य और संगीत की अद्भुत छटा बिखेरी। ब्रज, अवध, बुंदेलखंड, पूर्वांचल और तराई की लोक परंपराओं का अनूठा संगम एक ही मंच पर देखने को मिला। मधुया का मधुर नृत्य, झांसी का राई, अयोध्या का फरुवाही, बघावा और करवाहा, लखनऊ का अवधि, सोनभद्र का करमा और बारहसिंहा, प्रयागराज का ढेड़िया, आजमगढ़ का धोबिया और गोरखपुर का वनटांगिया नृत्यकूडन सभी ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रत्येक नृत्य दल में 15 कलाकार शामिल रहे, जिन्होंने अपने लोकरंग से वातावरण को जीवंत कर दिया।भारतखांडे संस्कृति महाविद्यालय, लखनऊ में कलाकारों ने शहनाई, सारंगी, बांसुरी, सरोद, पखावज और सितार

की मधुर धुनों से कार्यक्रम में शास्त्रीय संगीत की गरिमा बढ़ाई। सूफी गायन, भजन गायन और ब्रज के लोकगीतों की प्रस्तुति ने श्रद्धा और संगीत का ऐसा समागम रचा, जिसने उपस्थित जनों को भावविभोर कर दिया। विभिन्न जिलों से आए 7 से 12 कलाकारों के गायन दलों ने सांगीतिक उत्कृष्टता का श्रेष्ठ प्रदर्शन किया।सांस्कृ तिक संंध्या के दौरान कथक सहित अनेक शास्त्रीय एवं लोक नृत्यों ने अयोध्या की धरती को त्रेता युग की अनुभूति से भर दिया। पूरे आयोजन में उत्तर प्रदेश की विविध। लोकसंस्कृति, परंपरा और कलाओं की भव्य झलक देखने को मिली, जिसने प्रदेश की समृद्ध विरासत को विश्व के समक्ष प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत किया।संस्कृति विभाग की ओर से कलाकारों ने अयोध्या धाम के विभिन्न प्रमुख स्थलोंमहाराष्ट्र वाल्मीकि हवाई अड्डा, शंख चौराहा, एयरपोर्ट–सुल्तानपुर रोड चौराहा, भवदीय चौराहा, ब्रह्ममणि चौराहा, लता चौक और राम की पैड़ीकुपर अपनी प्रस्तुतियां देकर शहर भर में सांस्कृतिक उत्सव का वातावरण बनाए रखा।

बीबीएयू में संविधान दिवस पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन, सामाजिक-आर्थिक न्याय को विकसित भारत का आधार बताया गया

लखनऊ(संवाददाता)रूबाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में संविधान दिवस के अवसर पर विभि विभाग द्वारा आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन बुधवार को हुआ। संगोष्ठी का विषय थाकू “भारतीय संवि्धान के 75 वषर्ष सामाजिक–आर्थिक न्याय के माध्यम से विकसित भारत का मार्ग–मानचित्र”। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मवीर प्रजापति उपस्थित रहे। मंच पर बीबीएयू कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल, डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. एस.के. भटनागर, चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवांनी की संकायाध्यक्ष प्रो. सुमोती भरतवाल, विधि। अध्ययन विद्यापीठ के संकायाध्यक्ष प्रो. संजीव कुमार चट्वाढ तथा विधि

विभाग की विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक प्रो. सुरर्शन वर्मा उपस्थित रहीं।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और बाबासाहेब अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके हुई। विश्वविद्यालय कुलगीत के पश्चात अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। प्रो. संजीव कुमार चट्वाढ ने सभी का स्वागत करते हुए संगोष्ठी के उद्देश्य और स्वरूप पर प्रकाश डाला।मुख्य अतिथि धर्मवीर प्रजापति ने अपने संबोधन में कहा कि समाज में अब भी कई स्तरों पर असमानताएँ मौजूद हैंऔर केवल संवि्धान ही इन असमानताओं को दूर कर सकता है। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब ने कठिन परिस्थितियों को समझते हुए समाज को न्यायपूर्ण दिशा दी और हमें उनके आदर्शोंकोअपनाते हुए सामाजिक

स्तर सुधरे और विकास की प्रक्रिया में किसी को पीछे न छोड़ जाए। उन्होंने भारतीय और पश्चिमी संस्कृति के तुलनात्मक अध्ययन का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति संयम, संतुलन और सतत विकास का संदेश देती है, जबकि पश्चिमी संस्कृति उपभोगवाद को बढ़ावा देती है। उन्होंने युवाओं को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, संस्कृति और उद्यमिता के क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।प्रो. एस.के. भटनागर ने चर्चा में कहा कि विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए कानून का शासन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने स्वदेशी व्याख्या और भारतीय दृष्टिकोण को बढ़ावा देने पर जोर दिया, ताकि विकास की प्रक्रिया में देश की संस्कृति तिक जड़ें और परंपराओं का सम्मान सुरक्षित रहे। उन्होंने कहा कि भारत को सामाजिक लोकतंत्र की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। जहाँ राजनीतिक लोकतंत्र के साथ सामाजिक समता और आर्थिक न्याय भी सुनिश्चित हो। उन्होंने संवि्धाान दिवस पर नागरिकोंको यह संकल्प लेने की प्रेरणा दी कि वे संविधान की भावना को आचरण में लाकर न्यायपूर्ण और समस्तर भारत के निर्माण मेंयोगदान

ईटीआईएम मशीन क्षति पर अब पहली बार वसूली नहीं, प्रतिस्थापन व्यय वहन करेगा परिवहन निगम

लखनऊ(संवाददाता)रु उत्तर प्रदेश परिवहन निगम ने ईटीआईएम मशीनों (टिकटिंग मशीन) के इरादतन या गैर–इरादतन क्षतिग्रस्त होने पर महत्वपूर्ण नीति बदलाव किया है। नई व्यवस्था के अनुसार पहली बार मशीन डैमेज या खराब होने की दशा में दोषी कार्मिक से कोई वसूली नहीं की जाएगी। मशीन के प्रतिस्थापन का पूरा व्यय अब निगम स्तर से वहन किया जाएगा।परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक प्रभु एन. सिंह ने इस संबंध में सभी क्षेत्रीय प्रबंधकों को निर्देश जारी करते हुए कहा कि यदि कोई कार्मिक एक वर्ष के भीतर दोबारा ईटीआईएम मशीन को फिजिकली डैमेज या क्षति पहुंचावा है, तो प्रतिस्थापन व्यय की प्रतिपूर्ति उसी कार्मिक से की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी कार्मिक द्वारा मशीन खो दी जाती है तो इसे लापरवाही माना जाएगा और ऐसी स्थिति में पूरी वसूली की जाएगी।एमडी ने बताया कि वर्तमान व्यवस्था के तहत इरादतन या गैर–इरादतन मशीन खराब या ग़ुम होने पर वसूली सिर्फ कार्मिकों से ही की जाती थी। क्षेत्रीय अधिकारियों से मिले फीडबैक के आधार पर मुख्यालय स्तर पर यह निर्णय लिया गया है कि पहली बार मशीन खराब होने या डैमेज की स्थिति में आर्थिक भार निगम स्वयं वहन करेगा।

आम के बाग में युवक ने फर्सी लगाकर दी जान, पुलिस ने वीडियोग्राफी के साथ उतारकर भेजा पोस्टमार्टम को

लखनऊ(संवाददाता) काकोरी थाना क्षेत्र के ग्राम कुसमौरा में बुधवार सुबह एक 25 वर्षीय युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की दुखद घटना सामने आई, जिससे पूरे गांव में शोक और सनसनी फैल गई। ग्रामीणों से मिली सूचना पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और विधि क प्रक्रिया के तहत शव को उतारकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा।जानकारी के अनुसार जितेंद्र उर्फ बाबू पुत्र सर्गीय गणेश, निवासी कुसमौरा ने सुबह अपने आम के बाग में अंगोछे के सहारे पेड़ से लटककर आत्महत्या कर ली। जब स्थानीय लोगों ने आम के पेड़ पर युवक का शव लटकता देखा तो उन्होंने तुरंत इसकी जानकारी पुलिस को दी।सूचना मिलते ही थाना प्रभारी काकोरी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। घटना स्थल पर पहुंचने पर देखा गया कि युवक का शव पेड़ से फंसे पर झूल रहा था। पुलिस ने ग्रामीणों और परिजनों की मदद से पूरी वीडियोग्राफी कराते हुए शव को नीचे उतरवाया। इसके बाद शव को विधिवत मोर्चरी भेजकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू की गई।पुलिस के अनुसार घटना के कारणों की जांच की जा रही है। परिजनों से पूछताछ के साथ ही अन्य साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। ताकि मौत के पीछे की वजह स्पष्ट की जा सके। घटना से पूरे गांव में शोक का माहौल है और पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

रहीमाबाद में दर्दनाक सड़क हादसा:- साइकिल से जा रहे किशोर की मौके पर मौत

लखनऊ(संवाददाता) के रहीमाबाद थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 15 वर्षीय किशोर अंश की मौत हो गई। ग्राम अहमदाबाद कटौली निवासी हजारी प्रसाद ने थाना रहीमाबाद में दी गई सूचना में बताया कि उनका बेटा अंश सुबह करीब 7 बजे साइकिल से चांदपुर की ओर जा रहा था। रास्ते में विपरीत दिशा से आ रहे एक डाला वाहन के अज्ञात चालक ने तेज और लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए अंश को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि किशोर की मौके पर ही मौत हो गई।सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पीछित की तहरीर के आ्ार पर थाना रहीमाबाद में मु0अ0सं0 174६2025, धारा 281४06(1) बीएनएस के तहत अज्ञात डाला वाहन चालक के खिलाफ अभियोग दर्ज किया गया है। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है, ताकि वाहन और चालक की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया जा सके।पुलिस के अनुसार, इस दर्दनाक घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर है और परिवार का रों–रोकर बुरा हाल है। मामले की आगे की वैधानिक कार्रवाई प्रचलित है।

सीतापुर हाईवे पर हादसाः ई-रिक्षा से टक्कर में दंपति घायल, अस्पताल में मर्ती

लखनऊ(संवाददाता) सीतापुर हाईवे पर बीकेटी रेलवे क्रॉसिंग के सामने बुधवार को एक सड़क दुर्घटना में दंपति घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही थाना क्षेत्र की पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची।प्रश्नमद्दृष्ट्या जांच में सामने आया कि ग्राम मिर्जापुर थाना सीतापुर सदर, जनपद सीतापुर निवासी 51 वर्षीय गौमती और उनके पति 53 वर्षीय रामदयाल मोटरसाइकिल से सीतापुर की ओर जा रहे थे।



लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी को रक्खता के उच्च मानकों तक पहुंचाने के लक्ष्य के साथ लखनऊ नगर निगम द्वारा संचालित ‘स्वच्छ शौचालय अभियान 2025’ तेज रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। नगर निगम शहर के 81 चयनित सार्वजनिक शौचालयों को जल प्लास मानकों के अनुरूप विकसित कर रहा है। इनमें से 30 शौचालयों का कायाकल्प पूरा हो चुका है और वे पूरी तरह आधुनिक सुविधाओं से युक्त होकर जनता के लिए खोले जा चुके हैं। 28 शौचालयों में तेजी से कार्य जारी है जबकि बचे हुए 23 शौचालयों का सुधारीकरण जल्द शुरू करया जाएगा।नगर निगम के अनुसार शहर में कुल 379 सार्वजनिक स्थलों पर शौचालय चिन्हित हैं, जिनमें 239 सार्वजनिक तथा 140 सामुदायिक शौचालय शामिल हैं। इन्हीं में से 81 शौचालयोंको प्राथमिकता सूची मेंशामिल करते हुए उनका उन्नयन किया जा रहा है। इन शौचालयों में फर्श और दीवार पर टाइल्स हाथ धोने की व्यवस्था, उचित दरवाजे, साफ–सुथरी सीढ़ें जल प्रबंध, हाथ सुखाने की सुविधा तथा अन्य सभी आवश्यक उपकरण लगाए जा रहे हैं ताकि ये स्थान स्वच्छ, सुरक्षित और सुगम बन सकें।अभियान की निरंतर समीक्षा नगर आयुक्त गौरव कुमार द्वारा की जा रही है। उन्होंने निर्देश दिया है कि यह केवल एक सरकारी पहल न रहे, बल्कि नागरिक सहभागिता पर आधारित जनअंदोलन

भारतीय संविधान दिवस पर दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान में संगोष्ठी आयोजित

लखनऊ(संवाददाता) दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान में संविधान दिवस के अवसर पर बुद्धा समागार में एक विचारपूर्ण संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संस्थान के महानिदेशक के संक्षेप तथा प्र0 अपर निदेशक सुबोध दीक्षित के मार्ग निर्देशन में हुआ।समारेह की शुरुआत प्र0 अपर निदेशक सुबोध दीक्षित द्वारा संगोष्ठी के सभी अधिकारियों कर्मचारियों और विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सम्मिलित लगभग दो सौ प्रशिक्षु प्रतिभागियों को भारतीय संविधान की शपथ दिलाने से हुई। उन्होंने सभी को संकल्पबद्ध होकर संविधान में निहित मूल्यों को आत्मसात करने और अपने दायित्वों का निष्ठा से निर्वहन करने का आह्वान किया।शपथ ग्रहण के बाद आयोजित वैचारिक संगोष्ठी में संवि्धान निर्मात्री समिति के सभी सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। संस्थान के प्रमुख संकाय अधिकारियों ने भारतीय संविधान की बुनियादी अवधारणाओं उसकी विशेषताओं तथा भारत की प्रजातान्त्रिक व्यवस्था की मजबूती पर अपने विचार व्यक्त किए।सुबोध दीक्षित ने संविधान में वर्णित प्रमुख प्रावधानाकृन्तीति निर्देशक तत्वों, मौलिक अधिकारों और कर्तव्योंकृप्तर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संविधान विश्व का सर्वश्रेष्ठ संविधान इसलिए माना जाता है क्योंकि इसमें सभी धर्म वर्गोंऔर जातियों के उच्चाय हेतु समुचित स्वतंत्रता, समानता और सुव्यवस्थित व्यवस्था का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि संविधान न केवल शासन प्रणाली का आधार है, बल्कि समाज में न्याय, स्वतंत्रता और क्ेज्व की भावना को भी सुदृढ़ करता है।कार्यक्रम के सफल संचालन में संस्थान के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का उल्लेखनीय योगदान रहा। उल्लेखनीय है कि उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के मार्गदर्शन में संस्थान में विभिन्न विषयों पर प्रतिभागियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

संविधान दिवस पर उप मुख्यमंत्री मौर्य ने कहा, संविधान मानव गरिमा और समानता का संरक्षक

लखनऊ(संवाददाता) संविधान दिवस के अवसर पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भारतीय संवि्धान मानव की गरिमा, समानता और स्वतंत्रता को सर्वोच्च महत्व देता है। उन्होंने कहा कि संविधान हमें अधिकारों से सशक्त करता है, लेकिन साथ ही नागरिक के रूप में हमारे कर्तव्यों की भी निरंतर याद दिलाता है, जिन्हें निभाने का प्रयास हर व्यक्ति को करना चाहिए।उन्होंने संवि्धान दिवस पर भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल सहित संवि्धान निर्माण में योगदान देने वाले सभी महान राष्ट्रनायकों को नमन किया।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उसी संवैधानिक विरासत को व्यवहार, कर्तव्य और सेवा की संस्कृति में परिवर्तित करते हुए संविधान की आत्मा को और अ्धि क जीवंत किया है। उनके नेतृत्व में सुशासन, पारदर्शिता और जनभागीदारी की संवैधानिक भावना आज विकसित भारत के संकल्प के साथ एक नई ऊर्जा के रूप में उभर रही है।

लोक-कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर, पिछड़ा वर्ग कल्याण व दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की समीक्षा बैठक में हुई व्यापक चर्चा

लखनऊ। योगी सरकार की लोक–कल्याणकारी नीतियों को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने के उद्देश्य से मंगलवार को लोक भवन स्थित नवीन भवन के कक्ष संख्या–7 में पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने की। उन्होंने दोनों विभागों की योजनाओं की प्रगति, बजट व्यय, लंबित प्रकरणों के निस्तारण तथा आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों की गहन समीक्षा की।उन्होंने विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया ।

वर्षों से बंद लखनऊवाराणसी व फैजाबाद-मुगलसराय पैसेंजर ट्रेन को फिर चलाये जाने की मांग

अयोध्या(संवाददाता)। बीते एक दशक से बंद पैसेंजर गाड़ी सं0—54333&34 (लखनऊ—वाराणसी पैसेंजर)तथा ट्रेन नं0—54109 ध10 अयोध्या कैंट—फ़ो दीन दयाल उपाध्याय पैसेंजर ट्रेन को पुनः चलाए की मांग एक बार फिर जोर पकड़ रही है। गोसाईंगंज नगर पंचायत की सभासद आरती जयसवाल ने रेल मंत्री तथा बड़ौदा हाउस नई दिल्ली स्थित मुख्य यात्री परिचालन प्रबंधक को पत्र भेजकर यात्री हित में जल्द से जल्द इन दोनों ट्रेनों को चलाए जाने की मांग की है।मामले में कस्बे के समाजसेवी जगदीश कुमार जायसवाल ने भी रेल मंत्री को पत्र भेजा है। इन दोनों अधिकारियों को भेजे गए पत्र में सभासद ने बताया है कि लखनऊ—वाराणसी— मुगलसराय रेल खंड पर विगत वर्ष कोरोना काल से गाड़ी संख्या 54333&34 तथा एक दशक पूर्व से ट्रेन नं 0—54109&10 का परिचालन विभाग द्वारा बंद कर देने से इस रूट की

2 दर्जन से अधिक छोटे—छोटे स्टेशनों की आय जहां प्रभावित हो गई है वहीं इन स्टेशनों के पास के हजारों यात्री अपनी यात्रा करने से वंचित हो गए हैं। जब कि रेल लाइन के दोहरीकरण हो जाने से सभी स्टेशनों को हर सुविधा युक्त बनाकर विभाग द्वारा काफी विकास किया गया है,परंतु स्टेशन वही,कर्मचारी वही—परंतु यात्री सुविधा एवं विभागीय आय नदारद हाल यह है कि क्षेत्रीय जनता को अपने कोर्टेज कचहरी एवं अपने जनपद मुख्यालय पहुंचने के लिए अपने घर से कई किमी0 चल कर अपने नजदीकी बाजारों से अधिक किराया देकर प्राइवेट वाहनों से जनपद मुख्यालय तक आवागमन करना पड़ रहा है।इस तरीके से जनता को शारीरिक,मानसिक तथा आर्थिक एवं समय का नुकसान उठाना पड़ता है,और विभागीय आय में भारी क्षति।जब कि वर्षों पूर्व राजनीतिक दबाव में अयोध्या कैंट—प्रयाग राज,अयोध्या कैंट—लखनऊ तथा

काकोरी ट्रेन एक्शन से जुड़े दुर्लभ दस्तावेजों की प्रदर्शनी देख रेंगते खड़े हो गए

-अशफाक उल्लाह खां मेमोरियल शहीद शोध संस्थान ने जिला कारागार के शहीद कक्ष में लगाई प्रदर्शनी



अयोध्या(संवाददाता)। महुआ डाबर संहालय द्वारा काकोरी ट्रेन एक्शन के महानायकों से संबंधित पत्र, डायरी, टेलीग्राम, स्मृति—चिह्न, समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, पुस्तकें, तस्वीरें और मुकदमों की फाइलों सहित महत्वपूर्ण दस्तावेजों की प्रदर्शनी जिला कारागार में फैजाबाद—अयोध्या के शहीद कक्ष में लगाई गई,कार्यक्रम का आयोजन अशफाक उल्लाह खां मेमोरियल शहीद शोध संस्थान ने किया। प्रातः दस बजे

अवलोकन करने के बाद पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजन नई पीढ़ी को प्रेरित करते हैं उन्होंने इस प्रकार के आयोजनों को महत्वपूर्ण बताते हुए अनवरत करने पर बल दिया। एस आई रणजीत यादव ने कहा कि काकोरी केस के महानायक अशफाक बलिदान दिवस पर पूरी टीम के साथ ऐतिहासिक भागीदारी की जाएगी। महुआ डाबर संघहालय के महानिदेशक एवं भारतीय क्रान्तिकारी आंदोलन के विद्वान डॉ. शाह आलम राना काकोरी एक्शन की गौरवशाली विरासत से जुड़े दुर्लभ अभिलेखों पर चर्चा करते हुए कारागार में महान क्रान्तिकारी अशफाक उल्ला खां के बैरक को सौंदर्यकरण, प्रकाशमान और संरक्षित करने पर जोर दिया. चंद्रेश भारद्वाज ने देशभक्ति गायन प्रस्तुति दी.

अशफाक उल्लाह खां की प्रतिमा पर जेलर राजेंद्र कुमार यादव के द्वारा पुष्पाजलि कर प्रदर्शनी का विधिवत शुभारंभ से हुआ.अशफाक उल्लाह खां मेमोरियल शहीद शोध संस्थान के प्रबंी निदेशक सूर्यकांत पांडेय ने कहा कि क्रान्तिकारी मूल्यों को नई पीढ़ी तक ले जाने का उद्देश्य ही इस प्रदर्शनी का मकसद है उन्होंने कहा कि सरकारे आजादी आंदोलन के मूल्यों पर पर्दा डालनी चाहती हैं दस्तावेजों का

प्रदर्शनी में महुआ डाबर संघहालय में संरक्षित कई दुर्लभ दस्तावेजों में सलिमेंट्री काकोरी षड्यंत्र केस जजमेंट फाइल, चीफ कोर्ट ऑफ अक्व जजमेंट फाइल, प्रिबी काउंसिल लंदन अपील फाइल, मिशन स्कूल शाहजहांपुर का अशफाक उल्ला खां का छात्र रजिस्टर, फैजाबाद कारागार का बंदी विवरण, काकोरी ट्रेन डकैती से प्राप्त धनराशि का रिकॉर्ड, गिरफ्तारी विवरण, अशफाक उल्ला खां की हस्तलिखित डायरी, काकोरी केस चार्जशीट, खुफिया सुपरिंटेंडेंट की डायरी, मैनुपुरी षड्यंत्र केस में जन्त रामप्रसाद ‘बिस्मिल’ की उत्तरपुस्तिका, वायसराय को भेजी गई अपीलें ‘सरफरोशी की तमना’ नज़्म की प्रति, अशफाक उल्ला खां और बिस्मिल के पत्र, विभिन्न अख्बारों की ऐतिहासिक रिपोर्टें, निशानदेही की

तस्वीरें फांसी के बाद बिस्मिल का पिता के साथ छायाचित्र, काकोरी क्रांतिकारियों का सामूहिक जेल फोटो, उनकी बैरक की तस्वीर तथा अशफाक उल्ला खां के माउजर का छायाचित्र आदि अवलोकन के लिए रखे गए थे। जिसे कई रक्तूकों के छात्रों, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, सामाजिक— सांस्कृतिक और शैक्षिक जगत के लोगो ने काकोरी नायकों के दस्तावेजों को देखकर रोमांचित हुए। प्रदर्शनी समारोह में डॉ वंदना त्रिपाठी, केंपी सिंह, इंदुभूषण पांडेय, उमेश सिंह, अरशद अफजल खान, सुनील शास्त्री, शहीद शोध संस्थान के अध्यक्ष जफर इकबाल, राजेंद्र यादव, राजेंद्र प्रसाद सिंह, अब्दुल्हमान भोळू, विकास सोमकर, सियाराम यादव, पूर्ण प्रकाश, विश्व प्रताप सिंह अंशु, लखू लाल यादव आदि मौजूद रहे।

भारतीय संविधान राष्ट्र की आत्मा का दार्शनिक प्रकाश : डा. बिजेन्द्र सिंह



अयोध्या(संवाददाता)। डॉ. राममनोहर लोहिया अक्व विश्वविद्यालय, अयोध्या के विधि विभाग में संविधान दिवस के उपलक्ष्य में ‘राष्ट्र निर्माण में भारतीय संविधान की भूमिका’ विषय पर एक सारगर्भित गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह रहे। कार्यक्रम में विधि संकाय के प्राध्यापकों ने संविधान के दार्शनिक, नैतिक एवं राष्ट्रनिर्माण संबंधी आयामों पर अपने विचार व्यक्त किए।कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय संविधान कुल शासन—प्रणाली का विधान नहीं, अपितु राष्ट्र की आत्मा का दार्शनिक प्रकाश है। यह ग्रंथ नागरिकों को अधिकारों के साथ—साथ कर्तव्यबोध की ओर उन्मुख करता है। उन्होंने कहा कि संविधान का अनुशीलन प्रत्येक नागरिक के लिए अनिवार्य है, क्योंकि यही राष्ट्र की एकता, अखंडता और प्रगति का आधार है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे संविधान के आदर्शों को जीवन में व्यवहार रूप में परिणत करें। राष्ट्रनिर्माण में युवा शक्ति का योगदान संविधान—समन्वित विद्याधारा से ही संभव है।

कार्यक्रम में बोलते हुए कला संकायाध्यक्ष प्रो. आशुतोष सिन्हा ने कहा कि भारतीय संविधान आदर्श शासन, उत्तरदायित्व और नैतिक राज्य—व्यवस्था का सुसंगत स्वरूप है। उन्होंने कहा कि संविधान भारतीय चिंतन—परंपरा की उदारता, मानवता और कर्तव्यनिष्ठा का प्रतिबिम्ब है। उन्होंने बताया कि शिक्षा—संस्थानों का दायित्व है कि वे विद्यार्थियों में संवैधानिक चेतना और उत्तरदायी नागरिकता का संस्कार स्थापित करें। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्र का विकास तभी संभव है जब नागरिक संविधान के प्रति श्रद्धा और अनुशासन बनाए रखें। विधि संकायाध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार राय ने कहा कि भारतीय संविधि ान न्याय, समता और स्वतंत्रता के शाश्वत मूल्यों का जीवन—संंह है। राष्ट्र के संचालन में संविधान की भूमिका केवल विधिक नहीं, बल्कि सामाजिक—सांस्कृतिक भी है। उन्होंने कहा कि विधि के विद्यार्थियों का दायित्व है कि वे संविधान के उद्देशिक तत्वों को चरितार्थ करते हुए समाज में न्याय—संतुलन स्थापित करें। संविधान में निहित नैतिकता शासन—व्यवस्था की बुधि है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे संविधान को केवल पाठ्य—वस्तु न मानकर जीवन—दृष्टि बनाएं। प्रो. अजय कुमार सिंह ने कहा कि संविधान राष्ट्र के नैतिक, विधिक और

आधुनिक युग में मानव जीवन पर कृत्त्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का प्रभाव पर हुआ व्याख्यान

अयोध्या।(संवाददाता) डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के प्रौढ एवं सतत शिक्षा विभाग द्वारा आधुनिक युग में “मानव जीवन पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का प्रभाव” विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता ओसाका विश्वविद्यालय जापान के प्रो. विकास पाण्डेय रहे। व्याख्यान का उद्देश्य विद्यार्थियों, शोधार्थियों तथा शिक्षकों को तेजी से बदलती तकनीकी दुनिया के प्रति संवेदनशील बनाना और एआई के विभिन्न उपयोगों व चुनौतियों से परिचित कराना था। प्रो. विकास पाण्डेय अपने वक्तव्य में बताया कि एआई केवल तकनीकी क्रांति नहीं, बल्कि एक सामाजिक परिवर्तन भी है, जो मानव जीवन के सभी आयामों(शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार, उद्योग, संचार तथा प्रशासन को गहराई से प्रभावित

कर रहा है। उन्होंने भविष्य में रोजगार के स्वरूप में आने वाले परिवर्तन, एआई आधारित कौशलों की बढ़ती मांग, दैनिक जीवन में एआई उपकरणों की उपयोगिता, डिजिटल युग में नैतिकता, गोपनीयता और सुरक्षा संबंधी चुनौतियाँ, युवाओं के लिए एआई को समझना क्यों आवश्यक है जैसे प्रमुख बिंदुओं पर प्रकाश डाला। डॉ. पाण्डेय ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि सही दिशा में तकनीक का उपयोग भारत को वैश्विक स्तर पर अग्रणी राष्ट्र बना सकता है। संगोष्ठी में डॉ. रवि तिवारी ने अयोध्या के विकास में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि स्मार्ट प्रशासन, पर्यटन प्रबंधन, यातायात प्रणाली, स्वास्थ्य सेवाएँ तथा शैक्षणिक सुधार के क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता किस प्रकार से महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने बताया कि डिजिटल मैपिंग, वर्चुअल असिस्टेंट, फेस रिकॉग्निशन आधारित सुरक्षा प्रणाली और इंटेलीजेंट डेटा एनालिटिक्स अयोध्या को आधुनिक स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने में महत्त्वपूर्ण होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. सुरेन्द्र मिश्र ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीकी नहीं बल्कि भविष्य की भाषा है। जिसे समझना और अपनाना समय की मांग बन चुकी है। उन्होंने विद्यार्थियों को शोध, नवाचार और तकनीकी दक्षता के लिए प्रेरित किया। संगोष्ठी का समापन धन्यवाद ज्ञापन रत्नेश यादव ने किया। इस अवसर पर विनीता पटेल, श्रीमती शालिनी पांडेय, विनीत पाण्डेय, निदेशक, रण फाउंडेशन, सौरभ मिश्रा एवं विश्वविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

समाज सेवी भूरा पहलवान बने करणी सेना के गोवर्धन विधानसभा अध्यक्ष

(मथुराधनोवर्धन)(ए.के.शर्मा)
राधारानी प्रॉपर्टीज पर आयोजित कार्यक्रम में आन्धोर निवासी समाज सेवी भूरा पहलवान को राष्ट्रीय



शर्मा, नगर पंचायत सभासद चंद्रभान, रिंकू ठाकुर, माधव शर्मा, दानघाटी मंदिर सेवायत नीरज कौशिक, बौबी शर्मा, समाज सेवी मनमोहन ठाकुर, ओमप्रकाश पहलवान यादव, मरऊ खान, कुलदीप सेठ, गिरधारी ठाकुर, विष्णु सैनी, हिमांशु शर्मा, पिकू ठाकुर, गौरव ठाकुर, कान्हा ठाकुर, जीतू पटेल, पवन पटेल आदि थे।



अयोध्या(संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणात्मक नेतृत्व शैली और उनकी उपस्थिति ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पर हुए ध्वजारोहण समारोह को एक सामान्य धार्मिक अनुष्ठान से आगे बढ़ाकर सामाजिकदृष्टि सांस्कृतिक एकता के वैश्विक संदेश में परिवर्तित कर दिया। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पर हुआ ध्वजारोहण समारोह किसी प्राण-प्रतिष्ठित मंदिर के शिखर पर आम ध्वजा का आरोहण नहीं, बल्कि हिन्दुत्व की अक्वधारणा के म्थन का नवनीत बन उभरा है। कार्यक्रम की संपूर्ण संरचना की सूक्ष्मता का

सही भाव प्रसारित हो। श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर पर हुआ ध्वजारोहण इसी व्याख्या और भाव को सहजता से जनसमान्य तक पहुंचाता रहा। कार्यक्रम की संरचना यह संदेश देती रही कि समाज को बांटने के लिए जाति, धर्म, भाषा, प्रंत का फेंकला गया विद्वेष, अलगाववाद वास्तव में एक ही कला जा सकता है। श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर के मुख्य प्रवेश पर सज्जित द्वार पर उद्भट्ट ‘जाति पाति पूछे नहि कोई, हरि को भजे सो हरि को होई’ संदेश अपने आप में कार्यक्रम की सिर—मोथी लिया। अयोध्या को केंद्र मानकर पूरी उत्तर प्रदेश के पास पड़ोस के लगभग दे—छाई दर्जन जनपदों को वासियों को ही महत्व दिया गया।

कार्यक्रम संरचना के विषय में यह माना जा सकता है कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी वर्ष में दिया गया पंच परिवर्तन का सिद्धांत पूरी तरह परिलक्षित रहा। स्वदेशी के तहत स्व का बेध कराते हुए कार्यक्रम आयोजन की जिम्मेदारी किसी प्रबंधन कंपनी को न देकर ट्रस्ट व विश्व हिन्दू परिषद ने स्वयं ली और कार्यकर्ताओं के बल पर साकार किया। अतिथियों का आवास हो या पु्म वर्षा के साथ तिलक लगा कर स्वागत प्रत्येक विषय में भारतीय संस्कृति का ध्यान रखा गया। अपनी ही क्षमता पर सब कुछ सफल किया गया।नागरिक कर्तव्य का साक्षात् स्वरूप उस समय परिलक्षित हुआ जब आने वाले अतिथियों और स्वागतियों ने दिए गए समस्त दिशा निर्देशों का अक्षरशः पालन किया। कार्यक्रम के पूर्व अथवा बाद मेंकहीं सेकिसी तरह की अव्यवस्था का कोई संदेश नहीं मिला। सभी ने पूर्ण सादगी व अनुशासित ढंग से निर्धारित स्थान पर आसन स्वीकारा और कार्यक्रम के समापन के बाद क्रमबद्ध होतारनला व रामदरबार के दर्शन कर ऐतिहासिक पल के साक्षी बने। संपूर्ण 70 एकड़ मंदिर परिसर मेंप्रवेश करते ही पर्यवरण संरक्षण की छटा स्वयं देखी जा सकती है।

परिसर का लगभग 70 फीसद क्षेत्र खुले आसमान के लिए छोड़ गया है, जिसमें पक्षियों बंदरों व अन्य जीवों के लिए ‘पंचवटी’ शेष क्षेत्र में हरियाली व पौधेरोगण के लिए आरक्षित किया गया है। जल प्रबंधन के लिए निर्माण प्रांभ होने साथ ही जल संचयन संघंत्र (वाटर हरस्टिंग प्लांट) बना कर पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली का संदेश दिया गया है। आमंत्रित अतिथियोंका उत्ल्लास अपने आप मेंसामाजिक सम्मस्सता की अक्व कहानी कह रहा था। हिन्दू समाज की लगभग 56 जातियोंमें लगभग सभी को प्रतिनिधित्व देने का प्रयास किया गया। विशेष रूप से दलित, रूखा गया कि आयोजन मेंभुक्कु ध्यान, चिंतन, अक्षेरी, गिरिवारी, आदिवारी, वनवासी आदि सभी समाज का प्रतिनिधित्व हो और हुआ भी। गरबी रेखा से नीचे जीवन बिताने वाले सर्व समाज के कई अमुग्य संत भी बाव विट्वल हो कार्यक्रम में शामिल हुए। समाज में मिलने वाली गोष्ठिया, कहार, बारी, नाई कुहार, गरुडरी, लेष्ठी, यादव, लोहपिटवा, प्श्वरकला, माली, धेष्ठी, लोहार, बर्द्ध तमोली, मैर्य कसैमन, बईलेलिया, पारी, वाल्मीकि, स्टैदास, कंजर, नट, कुर्मी केसाथ ही जैन, बौद्ध, सिख आदि समाज का प्रतिनिधित्व पर भी विशेष ध्यान रहा।

छात्र-छात्राओं को यातायात और साइबर अपराध के प्रति किया जागरूक



प्रयागराज(संवाददाता)। बेथनी कांचेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, नैनी एवं सरस्वती बाल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, नैनी प्रयागराज में पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज एवं उत्तर प्रदेश अपराध निरेक्षक समिति, लखनऊ शाखा प्रयागराज के संयुक्त तत्वाकधान में यातायात माह नवंबर 2025 के अंतर्गत यातायात, मिशन शक्ति एवं साइबर अपराध जागरूकता कार्यक्रम का

तथा नए यातायात नियमोंकी जानकारी दी। मिशन शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत उप निरीक्षक सपना यादव ने छात्राओं को आत्मरक्षा, व्यक्तिगत सुखा, सुरक्षित यात्रा, अनजान व्यक्तियों से सतर्कता लेना आपात स्थिति में त्वरित सहायता देने के तरीकों की बिदुवार जानकारी दी। साइबर अपराध के विषय पर उप निरीक्षक नेहा चौधरी (थाना नैनी) ने ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, ओटीपी

ब्रज कला चौपाल ने ‘ही-मैन’ धर्मेद्र को दी भावभीनी स्वरांजलि

मथुरा(शिवशंकर शर्मा)। ब्रज कला चौपाल के कलाकारोंध्स्दसयों और आगंतुक अन्य कला प्रेमियों द्वारा शहर के जुबली पार्क के मंच पर खुले आसमान के नीचे

को दो मिनट का मौन रखते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि देने के बाद उनकी फिल्मों से जुड़े गाने गाकर और डायलॉग आदि बोलकर स्वरांजलिध्भावांजलि दी गई।

ने बताया कि धर्मेद्र जी का नाम धरम सिंह देओल था। वह सिनेमा जगत के एक महान और बहुमुखी अभिनेताध् कलाकार थे। जिन्हें हम प्यार से ‘ही—मैन’ कहते थे। उन्होंने अपने छह दशकों से अधिक लंबे करियर में 300 से अधिक फिल्में दी, और 24 नवंबर को 89 वर्ष की आयु में गोलोकध्धाम गमन कर गए। हम सभी उन्हें याद कर भावांजलि, श्रद्धांजलि और स्वरांजलि अर्पित कर रहे हैं। इस अवसर पर दीपक शर्मा,शरद अग्रवाल,लक्ष्मी सिंह,विवेक,जतिन प्रताप सिंह,केशव,चंद्रा जी,सुजीत उपाध्याय,वेदांक,ऋषि,अमित,गोपाल चतुर्वेदी,आकाश और प्रेरणा ण्डित मुख्यरूप से उपस्थित रहे।



मथुरा की सांसद एवं प्रसिद्ध नायिका डीमर्गल हेमामालिनी जी के पति महान अभिनेता धर्मेद्र जी

कलाकरों ने धरम जी से जुड़े किस्से भी बताए।

संस्था की अध्यक्षान नम्रता सिंह

विकास के पंखों के नीचे दम तोड़ते अंडमान और निकोबार के मैंग्रोव

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के तटीय क्षेत्र केवल समुद्र की सुंदरता के लिए ही नहीं जाने जाते बल्कि यहां फैले मैंग्रोव के जंगल इन द्वीपों की असली पूंजी हैं। मैंग्रोव न केवल पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखते हैं, बल्कि तटीय क्षेत्र को प्राकृतिक आपदाओं से बचाने की अग्रिम पंक्ति में खड़े प्रहरी भी हैं। वास्तव में, मैंग्रोव तटों के रक्षक और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र की जीवनधारा हैं।

भारत स्टेट ऑफ फॉरेस्ट रिपोर्ट 2023 के अनुसार, देश में कुल मैंग्रोव क्षेत्र 4,991.68 वर्ग किलोमीटर है, जो भारत के कुल

सम्पादकीय

विश्व के सबसे बड़े गणतंत्र का संविधान और उसके गुमनाम शिल्पी

ड्रापिंग कमेटी का गठन 29 अगस्त 1947 को हुआ, जिसमें सात सदस्य थे। आंबेडकर के अलावा अन्य सदस्यों ने कानूनी विशेषज्ञता प्रदान की, लेकिन कई कारणों से जैसे स्वास्थ्य समस्याएं, मृत्यु या अनुपस्थिति, बोझ मुख्यतः आंबेडकर पर पड़ा।

भारत का संविधान विश्व का सबसे लंबा लिखित संविधान है, जो 26 नवंबर 1949 को अपनाया गया और 26 जनवरी 1950 से लागू हुआ। यह दस्तावेज न केवल स्वतंत्र भारत की नींव है, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और लोकतंत्र के सिद्धांतों का प्रतीक भी है।

संविधान सभा ने लगभग तीन वर्षों के दौरान, 1946 से 1949 तक, 11 सत्रों और 165 दिनों की बहसों के बाद इसे तैयार किया। इन बहसों में 7,635 संशोधनों पर विचार किया गया, जिनमें से 2,473 को अपनाया गया। इसका प्रारंभिक रूप सरकारी दस्तावेजों जैसे गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट 1935 से प्रेरित था, लेकिन इसमें विश्व के विभिन्न संविधानों के तत्व शामिल किए गए, जैसे अमेरिकी, आयरिश और कनाडाई। कुल मिलाकर, यह 395 अनुच्छेदों, 8 अनुसूचियों और 22 भागों वाली एक व्यापक कृति है, जिसकी तैयारी पर लगभग 64 लाख रुपये खर्च हुए।

डॉ. भीमराव आंबेडकर को संविधान के शिल्पी के रूप में जाना जाता है, जो ड्रापिंग कमेटी के अध्यक्ष थे। उन्होंने अस्पृश्यता उन्मूलन, मौलिक अधिकारों और आरक्षण जैसे प्रावधानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन यह कार्य एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि सैकड़ों लोगों का सामूहिक प्रयास था। आंबेडकर ने स्वयं अपने समापन भाषण में, 25 नवंबर 1949 को, कहा था कि श्रेय मुख्य रूप से संवैधानिक सलाहकार सर बी. एन. राव और चीफ ड्राफ्ट्समैन एस.एन. मुखर्जी को जाता है। इन अनजाने शिल्पियों ने बिना किसी प्रसिद्धि के शोध, ड्रापिंग, लेखन, साज–सज्जा आदि में वर्षों का श्रम लगाया।

ड्रापिंग कमेटी का गठन 29 अगस्त 1947 को हुआ, जिसमें सात सदस्य थे। आंबेडकर के अलावा अन्य सदस्यों ने कानूनी विशेषज्ञता प्रदान की, लेकिन कई कारणों से जैसे स्वास्थ्य समस्याएं, मृत्यु या अनुपस्थिति, बोझ मुख्यतः आंबेडकर पर पड़ा। अल्लादी कृष्णास्वामी अय्यर कानूनी विशेषज्ञ थे और मौलिक अधिकारों तथा संघीय ढांचे पर बहसों में सक्रिय रहे। एन. गोपालास्वामी अयंगर कश्मीर एकीकरण के बाद राज्य मामलों में व्यस्त रहे और प्रशासनिक प्रावधानों पर सलाह दी। के.एम. मुंशी गुजराती विद्वान थे, जिनका सांस्कृतिक अधिकारों और हिंदू कोड बिल पर प्रभाव पड़ा।

सैयद मोहम्मद सादुल्ला मुस्लिम प्रतिनिधि थे जिन्होंने अल्पसंख्यक अधिकारों पर योगदान दिया। डी.पी. खेतान प्रारंभिक सदस्य थे, लेकिन उनकी जल्दी मृत्यु हो गई, जिसके बाद टी.टी. कृष्णामाचारी ने स्थान लिया, जो वित्तीय प्रावधानों और अंतिम संशोधनों में सहायक रहे।

बी.एल. मित्तर प्रारंभिक सदस्य थे, लेकिन स्वास्थ्य कारणों से हट गए, और बाद में एन. माधव राव आए। ये सदस्य सभा की उप–समितियों से सुझावों को एकीकृत करने में लगे रहे। संविधान निर्माण में कई पर्दे के पीछे के नायक थे, जिन्होंने बिना प्रसिद्धि के वर्षों का श्रम लगाया। सर बेनेराल नरसिंह राव 1946 से संविधान सभा के संवैधानिक सलाहकार थे। उन्होंने 1946 में अमेरिका, कनाडा, आयरलैंड और ब्रिटेन का दौरा कर संवैधानिक विशेषज्ञों जैसे अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस फेलिक्स फ्रैंकफर्टर से परामर्श लिया। फरवरी 1948 में उन्होंने 243 अनुच्छेदों और 13 अनुसूचियों वाला प्रारंभिक ड्राफ्ट तैयार किया, जो ड्रापिंग कमेटी का आधार बना। मौलिक अधिकारों को दो भागों में विभाजित करने का सुझाव दिया, जो कानूनी रूप से प्रवर्तनीय और गैर–प्रवर्तनीय थे, और यह आयरिश संविधान से प्रेरित था। आंबेडकर ने कहा कि श्रेय मेरा नहीं, बल्कि राव का है। उनकी पुस्तकें जैसे कॉन्स्टिट्यूशनल प्रीसिडेंट्स 1947 शोध का आधार बनीं। सुरेंद्र नाथ मुखर्जी संविधान सभा के संयुक्त सचिव और चीफ ड्राफ्ट्समैन थे। जटिल प्रस्तावों को सरल कानूनी भाषा में बदलने में उनकी महारत थी। उन्होंने अंतिम ड्राफ्ट की तैयारी की, जिसमें सभा की बहसों को शामिल किया। आंबेडकर ने कहा कि उनके बिना यह कार्य वर्षों लग जाता। वे रात–रात भर स्टाफ के साथ काम करते रहे। सभा में 15 महिलाएँ थीं, जिनमें से आठ ने हस्ताक्षर किए। वे स्वतंत्रता संग्राम की योद्धा थीं और महिलाओं के अधिकारों जैसे समान वेतन और संपत्ति अधिकारों पर जोर दिया। हंसा मेहता इंडियन विमेंस चार्टर ऑफ राइट्स एंड ड्यूटीज की ड्राफ्टर थीं और उन्होंने यूनिवर्सल डिक्लेरेशन ऑफ ह्यूमन राइट्स में मेन शब्द को ऑल ह्यूमन डीइंग्स में बदलवाया। सुचेता कृपलानी प्रथम महिला मुख्यमंत्री बनीं और उन्होंने सामाजिक न्याय पर बहस की। अम्मू स्वामीनाथन विमेंस इंडिया एसोसिएशन की सही–संस्थापक थीं और संपत्ति अधिकारों की वकील रहीं। दुर्गाबाई देशमुख ने एंड्रोइट एक्ट के माध्यम से महिलाओं के लिए फंडिंग सुनिश्चित की। राजकुमारी अमृत कौर ने स्वास्थ्य और शिक्षा प्रावधानों पर प्रभाव डाला। अन्य प्रमुख महिलाओं में सरोजिनी नायडू, विजयलक्ष्मी पंडित, रेणुका राय और पूर्णिमा बनर्जी शामिल थीं। संविधान केवल कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि एक कलात्मक कृति भी है। मूल प्रतिलिपि हाथ से लिखी गई, जिसमें 251 पृष्ठ हैं। प्रेम बिहारी नारायण रायजादा दिल्ली के मशहूर कैलिग्राफर थे। उन्होंने छह महीनों में इटैलिक शैली में पूरे संविधान को हाथ से लिखा, जिसमें 432 पेन–निब्स और 25 पेंसिलों का उपयोग किया। संविधान हॉल, अब संविधान क्लब, में बैठकर उन्होंने यह कार्य किया। उनकी पुस्तक द इंडियन कॉन्स्टिट्यूशन में वर्णन है कि यह राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक था। नंदलाल बोस और शांतिनिकेतन टीम ने कलात्मक सज्जा की जिम्मेदारी संभाली। बोस, शांतिनिकेतन के कला भवन प्रमुख, ने 22 चित्र बनाए, जो भारतीय इतिहास और संस्कृति को दर्शाते हैं, जैसे अशोक चक्र, हड़प्पा सभ्यता और रामायण के दृश्य।

को रोकते हैं। चक्रवात और सुनामी जैसी आपदाओं के दौरान ये लहरों की ऊर्जा को अवशोषित कर तटीय क्षेत्रों को गंभीर नुकसान

अंडमान–निकोबार द्वीप समूह (12.39°) में पाए जाते हैं।

“मैंग्रोव एक अत्यंत महत्वपूर्ण तटीय आर्द्रभूमि हैं, जो अनेक प्रकार की प्रजातियों को पोषक तत्वों से भरपूर वातावरण और उनके जीवन के लिए आवश्यक आवास प्रदान करती हैं।”

जब समुद्र की लहरें तेजी से तटों पर आती हैं, तो यही वृक्ष अपनी मजबूत जड़ों से मिट्टी को बाँधे रखते हैं और कटाव



से बचाते हैं। इन वनों के भीतर की शांत जलधाराएं अस्थिर मछलियों, केकड़ों, झींगों और पक्षियों का घर हैं।

वैज्ञानिकों का कहना है कि मैंग्रोव एक महत्वपूर्ण कार्बन सिंक भी हैं, ये वातावरण में मौजूद कार्बन डाइऑक्साइड को अपने भीतर संग्रहित कर जलवायु परिवर्तन की रफ्तार को कम करने में मदद करते हैं। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में मैंग्रोव का महत्व और भी बढ़ जाता है। ये प्राकृतिक ‘जैव–ढाल’ के रूप में काम करते हैं, जो तटों को चक्रवातों, समुद्री लहरों और क्षरण से बचाते हैं।

बिहार के नतीजों के बाद तेज हुई बंगाल में चुनावी सियासत

बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा के रिकॉर्ड प्रदर्शन के बाद पश्चिम बंगाल में चुनावी सियासत तेज होने लगी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर पार्टी के तमाम नेताओं ने श्अब बंगाल की बारीश जैसे नारे दिए हैं। लेकिन सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने एक वीडियो के जरिए उसके दावे पर कटाक्ष करते हुए कहा है कि सपने देखना अच्छी बात है।

पार्टी का दावा है कि बिहार के नतीजों का बंगाल पर कोई असर नहीं पड़ेगा। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने बंगाल में बिहार दोहराने के लक्ष्य के साथ प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व और प्रचारियो को सक्रिय कर दिया है। यही वजह है कि नतीजों के अगले दिन ही यहां भाजपा की प्रदेश कोर कमिटी की बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

भाजपा नेताओं को भरोसा है कि पार्टी बंगाल में भी बिहार के नतीजों को दोहरा सकती है। इसलिए पहले के मुकाबले रणनीति में बदलाव किए जा रहे हैं। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक, बदली हुई रणनीति के तहत पार्टी युवा तबक के साथ ही रोजगार के लिए पलायन करने वाले प्रवासी मजदूरों को साथ जोड़ने के अलावा राज्य में बड़े पैमाने पर आधारभूत परियोजनाओं और रोजगार के अवसर पैदा करने वाली योजनाओं पर विचार कर रही है। कोर कमिटी की बैठक में भी इन मुद्दों पर गहन चर्चा की गई और प्रदेश नेताओं से सुझाव मांगे गए कि कहाँ क्या हो सकता है। पार्टी के एक पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि बिहार के चुनावी

प्रभाकरण बताते हैं, “मैंग्रोव की उपस्थिति चक्रवात, समुद्री लहरों की तीव्रता और तटीय कटाव के विरुद्ध एक जैविक एक अध्ययन के अनुसार तटीय प्रदूषण, प्लास्टिक कचरा और भूमि उपयोग में तेजी से हो रहे बदलाव के चलते दक्षिण अंडमान के कई



मैंग्रोव क्षेत्रों में गिरावट दर्ज की गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह प्रवृत्ति नहीं रोकी गई, तो आने वाले दशक में द्वीपों का एक बड़ा हिस्सा कटाव और बाढ़ के खतरे में पड़ सकता है।

2004 की सुनामी के बाद अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में मैंग्रोव वनों में भारी गिरावट देखी गई थी। अपनी प्राकृतिक पुनर्जीवित होने की क्षमता के कारण, कई स्थानों पर मैंग्रोव ने स्वयं को फिर से स्थापित कर लिया है। वन विभाग द्वारा किए गए वृक्षारोपण अभियानों ने भी कुछ क्षेत्रों में मैंग्रोव के सफल पुनर्संथापन में योगदान दिया है।

मैंग्रोव क्षेत्रों में गिरावट दर्ज की गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह प्रवृत्ति नहीं रोकी गई, तो आने वाले दशक में द्वीपों का एक बड़ा हिस्सा कटाव और बाढ़ के खतरे में पड़ सकता है।

क्षेत्रों को कलिंग (ओडिशा), अंग (बिहार और बंग (बंगाल) के नाम से भी जाना जाता है। हमने कलिंग और अंग जीत लिए हैं, अब बंग की बारी है।

तृणामूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष का कहना है कि भाजपा चाहे जो भी दावे करे, यहां चौथी बार भी तृणामूल कांग्रेस ही सरकार बनाएगी। पार्टी को

अगली बार कम से कम 250 सीटें मिलेंगी। बंगाल के लोगों ने भाजपा की हिंदुत्व और नफरत की राजनीति को कई बार खारिज कर दिया हैं। पार्टी ने केंद्र पर राज्य की महिलाओं के अपमान और उनको मिलने वाले पैसों को रोकने का अपना पारंपरिक आरोप दोहराया है। पार्टी की वरिष्ठ नेता और मंत्री शशी पांजा ने कहा कि अगले चुनाव में भाजपा को महिलाएं इसका जवाब देंगी।

वैसे, तृणमूल कांग्रेस खेमे में बिहार के नतीजों से चिंता या आशंका की बजाय उत्साह है। पार्टी की राय में सशक्तिकरण के हथियार की नकल कर ही बिहार में भाजपा को कामयाबी मिली है। लेकिन बंगाल में असली के सामने नकल नहीं चलेगा। पार्टी के एक नेता ने बताया कि बिहार के नतीजों को ध्यान में रखते हुए ममता बनर्जी महिलाओं में लोकप्रिय लक्ष्मी भंडार योजना के तहत रकम बढ़ाने के अलावा महिलाओं के हित में कुछ अन्य योजनाएं शुरू करने पर भी विचार कर रही है।

की आबादी को नियंत्रित करना और तटीय क्षेत्रों को नियंत्रित करने वाले उपलब्ध कानूनों और नीतियों का कड़ाई से पालन करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि अंडमान और निकोबार द्वीप



समूह में मैंग्रोव का प्राकृतिक पुनर्जीवन सुचारु रूप से हो सके।”

इन परिस्थितियों में, संरक्षण की दिशा में ठोस कदम उठाना समय की मांग है। स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना, संवेदनशील क्षेत्रों में निर्माण कार्यों पर सख्त निगरानी और प्रभावी पर्यावरणीय प्रभाव आकलन लागू करना जरूरी है। साथ ही प्राकृतिक पुनर्जनन कार्यक्रमों के माध्यम से नष्ट हुए मैंग्रोव क्षेत्रों में पुनः पौधारोपण किया जाना चाहिए। तटीय क्षेत्रों में समुद्री कचरे की सफाई, प्लास्टिक–मुक्त अभियान और उपग्रह मॉनिटरिंग से भी स्थिति में सुधार लाया जा सकता है।

आज का राशिफल
मेष राशिफल— मेष राशि वालों आज विद्यार्थियों को सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी लेकिन सफलता जरुर मिलेगी। किसी पुराने दोस्त से मुलाकात हो सकती है। वृष राशिफल— आज अपने कार्य पर ध्यान लगाएंगे तो आय में वृद्धि होगी, कठिन परिश्रम ही आपकी सफलता की चाबी है। वित्तीय मामलों से जुड़े फैसले कुछ समय के लिए टाल दें। मिथुन राशिफल— आज आपके परिवार के सदस्यों को आनंद देना और एक साथ बाँधे रखना आपके लिये थोड़ा मुश्किल होगा, लेकिन आप सफल हो जाओगे। किसी के मनोबल और वास्तविक सहयोग के बिना परिस्थिति का सामना करना आपके हित होगा। कर्क राशिफल— आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। कई तरह की व्यक्तिगत गतिविधियों मे ही दिन व्यतीत हो जाएगा। आज आपका भाग्य आपके साथ है, कार्य स्थल पर प्रमोशन या प्रशंसा मिलने के आसार हैं, व्यापार में नई संभावनाएं तलाशी जा सकती है। सिंह राशिफल आज लंबे समय से जिस परीक्षा या टेस्ट के नतीजों का आप इंतजार कर रहे थे, वो आज आपको मिल सकता है, नतीजे आपके पक्ष में ही होंगे। जीब चेंज करने का प्रयास न करें, नौकरी में स्थानांतरण की सूचना मिल सकती है। कन्या राशिफल— आज कोई अच्छी खबर चित्त प्रसन्न कर देगी। किसी लाभकारी योजना का मसौदा बनेगा। किसी विशिष्ट अध्ययन में समय व्यतीत होगा। आनन्द की प्राप्ति होगी। आपका वक्तृत्व कौशल कई सफलता का सूत्रपात करेगा। तुला राशिफल— आज रुका हुआ धन प्राप्त होगा। संतान से भी सुख प्राप्त होगा। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आपके करियर में संतुष्टि मिलेगी। विदेश से सम्पर्क लाभ प्रदान करेगा। स्वभाव का रूखापन आपके विरोधियों की संख्या में इजाफा करेगा। वृश्चिक राशिफल— आज करियर में प्रदर्शन सुधारने का प्रयास रंग लायेगा। कोई वादा उम्मीद जगायेगा। मौलिक विचार नया द्वार खोलेगा। आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि कारक होगा। हौसले को उड़ान मिलेगी। किसी की सहायता से कर्ज से मुक्ति की राह निकलेगी। धनु राशिफल— धनु राशि वालों आज विनम्रता से लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा। किसी पुराने निवेश की अच्छी कीमत मिलेगी। किसी पुराने मित्र से सम्पर्क उत्साह भर देगा। सेहत का ध्यान रखें। आज आपको अनुकूल दिन का आनंद मिलेगा, मकर राशि— मकर राशि वालो आज आपके भाग्य का पूरा साथ आपको प्राप्त होगा। जो जातक नौकरी परिवर्तन के बारे में सोच रहे हैं उनके लिए समय अनुकूल रहेगा। उपहार व सम्मान में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। कुंभ राशिफल— कुम्भ राशि वालों आज आप काफी ऊर्जावान और अपने जीवन के दो क्षेत्रों में सक्रिय खोज में महसूस होगा। जीवन में अपनी प्रगति के विषय में सभी मामलों में एक नई चमक होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। मीन राशिफल— मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आप बिजनेस में लाभ लेने के लिए आपको किसी की मदद लेनी पड़ेगी। साथ ही आज आपको वाद–विवाद से दूर रहना होगा ताकि आप अपना मन काम में लगा सके। आज आपको अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिलेगा।

घर-घर डीएम ने दी दस्तक - बोले- जमा कराएं गणना फार्म

आगरा। घर पर दस्तक हुई। दरवाजे पर डीएम अरविंद बंगारी खड़े हुए थे। घर के अंदर से बैसाखी पर चलकर एक मतदाता आया। डीएम उससे हाथ जोड़कर बोले— बीएलओ का सहयोग करिए। गणना फॉर्म जमा कराइए। अंतिम तिथि का इंतजार मत करिए। ये नजारा था बुधवार को न्यू आगरा क्षेत्र में। जहां डीएम



ने घर—घर दस्तक देकर मतदाताओं को फॉर्म जमा कराने के लिए प्रेरित किया। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) शुरू हुए 21 दिन बीत गए। 4 दिसंबर को अंतिम तिथि है। करीब 25 लाख से अधिक मतदाताओं ने फॉर्म जमा नहीं किए हैं। नौ विध्दानसभा क्षेत्र में 36 लाख से अधिक मतदाता हैं। जिनका फॉर्म जमा नहीं होगा, उन मतदाताओं का नाम अंतिम सूची से कट जाएगा। इधर, फॉर्म संकलन की धीमी गति को रफ्तार देने के लिए बुधवार को डीएम गली—मुहल्ले और कॉलोनियों में गए। इसके अलावा उत्तर विधान सभा क्षेत्र के कंपोजिट स्कूल स्थित बूथ पर पहुंचे। यहां हेल्प डेस्क बनाई गई थी। यहां कई मतदाताओं के फॉर्म स्वयं डीएम ने भरवाए। डीएम ने नगर निगम के 50, आगरा विकास प्राधिकरण के आठ, उद्यान विभाग के 11, पशुपालन विभाग के 10 और बाल विकास विभाग के 203 बीएलओ के कार्यों का पर्यवेक्षण के निर्देश विभागध्यक्षों को दिए हैं।

सियार के काटने पर युवक की हुई ऐसी हालत, इलाज करने वाले चिकित्सक भी हार गए

एटा। सियार के काटने के महीने भर बाद युवक की हालत बिगड़ गई। अलीगढ़ में भी इलाज बेअसर होने पर घर वापस भेज दिया गया। घटना के 40 दिन बाद उसकी मौत हो गई। एटा के थाना रिजोर क्षेत्र के गांव विक्रमपुर फफातू निवासी सुखवीर सिंह ने बताया कि बेटा दीपक (21) तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। दिवाली से चार दिन पूर्व खेत पर फसल की रखवाली करने गया था। वहां एक सियार ने उसके ऊपर हमला कर दिया। उसके चीखने की आवाज सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे किसान मौके पर पहुंचे और किसी तरह से बेटे को बचाया। गंभीर हालत में लेकर मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में आए। यहां से उपचार के बाद उसको घर भेज दिया गया। इसी बीच उसको दो एंटी रेबीज वैक्सीन लगाव दीं। बताया कि 4 नवंबर को बड़ी बहन प्रियंका की शादी के कारण तीसरी वैक्सीन नहीं लग पाई। 24 नवंबर को सुबह के समय उसकी हालत बिगड़ने लगी। पानी से डरने लगा और अलग तरीके का व्यवहार करने लगा। यह देखकर मेडिकल कॉलेज लेकर आए। यहां से हालत नाजुक देखते हुए अलीगढ़ रेफर कर दिया गया। वहां चिकित्सकों ने उपचार न होने की बात कहकर घर भेज दिया। मंगलवार तड़के 3रु30 बजे दीपक की मौत हो गई। परिजन ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में तैनात डॉ. सुमित चौधरी ने बताया कि इस प्रकार के मामलों में एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाना ही एकमात्र उपाय है। अगर सियार काट लेता है तो पहले दिन, तीसरे दिन, सातवें दिन, 14वें और 28वें दिन एंटी रेबीज का टीका लगाया जाना आवश्यक है। लापरवाही बरतने पर कई मामलों में पीड़ित की मौत तक हो सकती है। इसके अलावा जिस समय व्यक्ति को काटा है इस समय घाव की अच्छे से सफाई होना भी आवश्यक है।

जहरीली धुंध की चपेट में आगरा, सांस लेना हुआ मुश्किल, घर से निकलना खतरनाक

आगरा। आगरा में मेट्रो के निर्माण के दौरान धूल-धुएं के गुबार उठ रहे हैं। मंगलवार को धूलकणों की मात्रा 485 के पार पहुंच गई जो बेहद खतरनाक स्थिति में है।

शहर में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के 6 में से 3 स्टेशनॉ पर शहर की हवा की गुणवत्ता खराब पाई गई है, जबकि आगरा स्मार्ट सिटी के सेंसर में 7 जगहों पर एयर क्वालिटी इंडेक्स 300 से 478 के बीच है। इन सभी जगहों पर सांस लेना कठिन है। सांसों के इस संकट के बीच प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और स्मार्ट सिटी के सेंसर से दोगुने से ज्यादा का अंतर एक्यूआई के आंकड़ों में आ रहा है।

उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (यूपीएमआरसी) इन दिनों मेट्रो कॉरिडोर का निर्माण करा रहा है। राजामंडी रेलवे स्टेशन के ठीक सामने मेट्रो ने अपने स्टेशन का निर्माण कराया है। यहां धूल के गुबार उठ रहे हैं। दावों के उलट पूरी साइट पर मिट्टी और रेत के ढेर लगे हैं, जिन पर पानी का छिड़काव नहीं कराया गया है। दिल्ली गेट स्थित नगर निगम शेल्टर होम से लेकर राजामंडी स्टेशन के बीच धूल मिट्टी पड़ी है, जहां किसी भी वाहन के निकलने पर धूल उड़ रही है। यही हाल आरबीएस कॉलेज पर बनाए जा रहे मेट्रो स्टेशन का है।

राजामंडी स्टेशन के दोनों ओर आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्र हैं, जहां लोगों की लगातार आवाजाही रहती है। क्षेत्रीय निवासी और पूर्व पार्षद संजय राय ने बताया कि राजामंडी स्टेशन पर 15 दिनों से उन्होंने पानी का छिड़काव होते नहीं देखा। यहां स्टेशन आने पर पांच मिनट में ही धूल के कारण सांस लेना मुश्किल हो रहा है। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के 6 ऑटोमेटिक स्टेशनों में आंकड़े हैरतअंगेज हैं। संजय प्लेस की हवा दयालबाग से बेहतर दिखाई गई है, जबकि दयालबाग में स्टेशन जहां लगा है, उससे सड़क की दूरी ज्यादा है और वाहनों का संचालन भी कम है। आसपास हरियाली है, वहीं संजय प्लेस में ट्रैफिक जाम, मेट्रो का निर्माण कार्य और हजारों वाहनों का आवागमन होने के साथ रेस्टोरेंट में कोयला जलाया जा रहा है। सरकारी आंकड़ों में फिर भी संजय प्लेस की हवा बेहतर दिखाई गई है। याचिकाकर्ता पर्यावरणविद संजय कुलश्रेष्ठ ने क हा कि आंकड़ें कुछ भी कहें, इन्सान का शरीर प्रदूषण बढ़ते ही बता देता है। अफसर जिस प्रदूषण को छिपा रहे हैं, उसका जवाब उन्हें सुप्रीम कोर्ट में देना होगा। जिस तरह बीमारी में जांच महत्वपूर्ण है, उसी तरह प्रदूषण से निपटने में असली एक्यूआई जरूरी है, तभी कदम उठाए जा सकेंगे। टीटीजेड चेयरमैन से मांग की है कि प्रदूषण के सही आंकड़े जनता तक आए याचिकाकर्ता पर्यावरणविद डॉ. शरद गुप्ता ने बताया कि स्मार्ट सिटी, यूपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और एसआईई के एक ही जगह के आंकड़े भिन्न-भिन्न हैं। अधिकारी सही आंकड़े जनता के सामने पेश करें। ग्रेप लागू करने में आंकड़ों से छेड़छाड़ नहीं होनी चाहिए। मरीजों की संख्या आगरा की हवा के प्रदूषण को बता रही है, पर अफसर छिपा रहे हैं।

कैमरून में फंसे आगरा के धीरज जैन

आगरा। अफ्रीकी देश कैमरून में फंसे आगरा के धीरज जैन ने वीडियो जारी कर आरोप लगाया था कि उनका पासपोर्ट छीन लिया गया है। वह भारत नहीं लौट पा रहे हैं। अब कंपनी की ओर से भी मामले में अपना पक्ष रखा गया है।

अफ्रीकी देश कैमरून में फंसे आगरा के धीरज जैन को लेकर परिजन चिंतित हैं। वहीं, अब मामले में धीरज की कंपनी ने भी अपना पक्ष रखा है। कंपनी की ओर से जारी किए वीडियो में धीरज जैन पर ही वित्तीय धोखाध्ाड़ी के आरोप लगाए गए हैं। कंपनी के एचआर ने बताया कि मामला कोर्ट में है। जो भी बयान धीरज जैन की ओर से जारी

पहले पति और अब लाइली बेटी ने भी छोड़ा साथ, मां की चीखों ने चीर दिया कलेजा

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में दर्दनाक हादसा हुआ। बड़ी बहन के साथ स्कूल जा रही छह साल की छात्रा को डंपर ने चपेट में ले लिया। छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई। जिसने भी ये दृश्य देखा उसकी चीख निकल गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया।



हर सुख—दुख में साथ देने का वचन देने वाले पति प्रवीण मिश्रा एक साल पहले ही मधु (36) के जीवन को मझधार में छोड़ कर चले गए थे। जैसे—तैसे खुद को संभालते हुए जीवन में आगे बढ़ रहीं मधु मिश्रा के जीवन में बुधवार की सुबह फिर से अधेरा कर गई। सड़क हादसे में छह साल की लाइली बेटी गौरांशी हमेशा के लिए छोड़ कर चली गई, जिसने भी इस मां का दर्द सुना, वह अपने आंसू रोक नहीं सका। मूलरूप से थाना बेवर क्षेत्र के गांव नगला टांकन निवासी प्रवीण कुमार मिश्रा एटा में रह कर एमआर की नौकरी कर रहे थे। पत्नी मधु, बड़ी बेटी शुभी(16), गौरांशी(6) और एक साल के बेटे के साथ घर खुशहाल था। एक साल पहले बीमारी से प्रवीण की मौत ने मधु को तोड़ दिया। तीन बच्चों की परवरिश की खातिर खुद को मजबूत किया और भाई के साथ शृंगार नगर में किराए के मकान में रहने लगीं। दो बेटियां शुभी और गौरांशी को पढ़ा लिखा कर वह सफलता की ओर बढ़ते देखना चाहती थीं। मगर किस्मत को शायद कुछ और ही मंजूर था। सुबह वह सड़क पर खूब से लथपथ पड़ी थी, मां मधु और घायल बहन शुभी रोए जा रही थीं। मां के दर्द को जिस किसी ने भी सुना, वह अपने आंसू रोक नहीं सका।

ग्रेजुएशन के बाद दुबई से ली स्पेशल ट्रेनिंग, बैठे-बिठाए कमाता या करोड़ों रुपये

आगरा। स्नातक पास करने के बाद करोड़ों रुपये के लालच में वो अंधा हो गया। दुबई में नौकरी करने के लिए गया था, लेकिन वहां से ठगी की ट्रेनिंग लेने के बाद वापस आ गया। यहां उसने ठगी का धंधा शुरू कर दिया। दिल्ली निवासी आरोपी देवेंद्र प्रताप मूलरूप से प्रयागराज का रहने वाला है। वर्तमान में दिल्ली में रह रहा है। वह स्नातक पास है। वर्ष 2008 में दुबई गया था। मजदूरी करता था। इसी बीच साइबर ठगों के संपर्क में आ गया। वर्ष 2016 में वापस आया। 3 साल रहने के बाद 2019 में फिर से दुबई चला गया। वर्ष 2021 में वापस आ गया। वह लोगों के खाते खुलवाता था। अपर पुलिस उपायुक्त आदित्य सिंह ने बताया कि दो तरह से साइबर ठगी की रकम खातों में आती थी। एक तो लोगों को डिजिटल अरेस्ट और निवेश के नाम पर ठगा जाता था। दूसरा गेमिंग एप से आने वाली रकम भी खातों में ली जाती थी। वहीं आरोपी ध्रुव नाथ स्नातक पास है। वह ऑन डिमांड लोगों के दस्तावेज गिरोह को उपलब्ध कराता था। एडीसीपी के अनुसार कमला नगर का चिरंजीवी भी स्नातक पास है। उसका काम भी गिरोह की मदद करना रहता था। कावेरी कुंज, कमला नगर का राहुल कुमार एक फर्म चलाता है। उसने पुलिस को बताया कि फर्म में घाटा हो गया था। इस कारण वह साइबर ठगों के लिए काम करने लगा। वह गिरोह को एटीएम और चेक बुक पहुंचाने का काम करता था। एडीसीपी के अनुसार आरोपी रनवीर भार्गव हैदराबाद में रहता था। वह विदेशी ठगों के सीधे संपर्क में है। जीोंद, हरियाणा से जेल गया था। उसने एक अधिवक्ता से 34 लाख रुपये की धोखाधड़ी की थी।

ईदगाह, बारहखंभा और नगला छउआ पर 116 करोड़ से बनेगे तीन नए आरओबी

आगरा। ईदगाह रेलवे स्टेशन के बाद बारहखंभा और नगला छउआ पर भी आरओबी बनेंगे। छावनी से भाजपा विधायक डा. जीएस धर्मेश ने प्रेसवार्ता में बताया इन तीनों आरओबी पर 116 करोड़ रुपये खर्च होंगे। आगरा के ईदगाह रेलवे स्टेशन के बाद बारहखंभा और नगला छउआ फाटक पर भी रेलवे

किए जा रहे हैं, वह गलत हैं। परिवार का पूरा सहयोग किया जा रहा है। वहीं, दयालबाग के खासपुर निवासी धनपाल जैन ने बताया कि उनका बेटा पुणे की एक ट्रेवल्स कंपनी में नौकरी करता था। कंपनी का कांट्रैक्ट खत्म हो गया। इसके बाद उन्हें वापस भारत नहीं आने दिया। उनके वीजा और पासपोर्ट जब्त कर लिए। पिछले साल बेटे और कंपनी के ड्राइवर के साथ लूट हुई थी। इसकी उन्होंने लोकल पुलिस को रिपोर्ट लिखा दी। धीरज जैन और कार चालक ने अपने बयान दर्ज कराए। इसके बाद वह भारत

वापस आ गया। फिर से कैमरून गया। उसी कंपनी में नौकरी की। लेकिन जब उसका कांट्रैक्ट खत्म हो गया। वह देश लौटने को हुआ तो कंपनी के कर्मचारियों ने बेटे और बच्चों के पासपोर्ट और वीजा जब्त कर लिए। उसके घर की बिजली और पानी काट दी। कंपनी ने तीन महीने का वेतन रोक दिया। इससे वह आर्थिक तंगी से जुझ रहा है। धनपाल जैन ने बताया कि कंपनी के मालिक अनिल चंदरानी, मैनेजर दिलीप पेशवानी, मनीष ठाकुर और चंद्रप्रकाश अलवानी बेटे को परेशान कर रहे हैं। उन्होंने चालक के बयान बदलवाकर चोरी का आरोप बेटे पर लगाकर उसे फंसा दिया है।



आगरा पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़

आगरा। मोबाइल और बाइक लूटने वाले बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़ हो गई। पुलिस की फायरिंग में दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गए। उनके साथ पुलिस ने दो अन्य को भी दबोच लिया है। राहगीरों को रोककर लूट की घटनाओं को अंजाम दे रहे अंतरराज्तीय लुटेरों से बुधवार को भोर में पुलिस की मुठभेड़

बताया कि 19 नवंबर को एकता थाना क्षेत्र के इनर रिंग रोड गुतिला के पास सर्विस रोड पर डौकी के अमित से बदमाशों ने बाइक लूटी थी। उसी रात दिगनेर पुलिसा पर दो बाइक सवार लुटेरों ने एक व्यक्ति का मोबाइल लूटा था। दोनों मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस लुटेरों की तलाश कर रही थी। बुधवार को भोर में लुटेरों

पूछताछ में उनके नाम निबोहरा निवासी सूरज, सुंदर, पवन और धोलपुर के भरत निकले। सूरज और सुंदर रिश्तेदार हैं। आरोपियों से लूटी बाइक, मोबाइल, तमंचा और कारतूस बरामद हुए हैं। पता चला है कि उनके साथ मोबाइल लूट में निबोहरा के हरेंद्र और



हुई। जवाबी फायरिंग में दो लुटेरों के पैर में गोली लगी है। एकता थाने की पुलिस ने मौके से उनके दो अन्य साथियों को भी गिरफ्तार किया। घायलों को एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। डीसीपी सिटी सैयद अली अब्बास ने बताया कि पकड़े गए आरोपी पहले भी जिले में कई वारदात कर चुके हैं। गुजरात और राजस्थान में भी अपराध की घटनाएं करने की जानकारी मिली है। इनके बारे में और जानकारी जुटाई जा रही है। डीसीपी ने

के वारदात की फिराक में घूमने की सूचना पर थाना पुलिस, एसओजी और सर्विलांस की टीम संयुक्त रूप से घेराबंदी कर चेकिंग कर रही थी। गद्दी देवरी अंडरपास के पास दो बाइकों पर आ रहे चार संदिग्ध युवकों को रोका गया। उन्होंने पुलिस पर तमंचे से फायर किया। जवाबी फायरिंग में दो बदमाशों सूरज और सुंदर के पैर में गोली लगी। उनके दो साथियों भरत और पवन को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया।

रवि भी शामिल थे, उनकी भी तलाश की जा रही है। डीसीपी सिटी ने बताया कि गैंग का सरगना सुंदर है। उसके ऊपर आगरा और राजस्थान में एक दर्जन से अधिक आपराधिक केस दर्ज हैं। उसने रिश्तेदार सूरज और अन्य के साथ मिलकर गैंग बनाया था। यह रास्ता चलते लोगों को रोककर हथियार दिखाकर कीमती सामान लूट लेते थे।

कभी रकम एक—दूसरे के खातों में ट्रांसफर करनी होती है तो एक जगह पर इकट्ठा हो जाते हैं। इसके बाद रकम निकालते हैं। अपना कमीशन भी प्राप्त करते हैं। अपने मोबाइल एप भी रखते हैं, जिनकी मदद से खातों में रकम ट्रांसफर की जाती है।

वह म्यूल सिम भी लेता है। अलीगढ़ का सौरभ चौधरी भी जेल जा चुका है। आरोपी सौरभ के खिलाफ चार मुकदमे दर्ज हैं। इनमें दो बुलंदशहर में चोरी, एक—एक अलीगढ़ और थाना ताजगंज में दर्ज हैं। वह रनवीर की मदद से साइबर ठगों के संपर्क में आया था। सभी आरोपी एक दूसरे से टेलीग्राम के माध्यम से जुड़े रहते थे। जब



ईदगाह, बारहखंभा और नगला छउआ पर 116 करोड़ से बनेगे तीन नए आरओबी

मंगलवार को प्रेसवार्ता में बताया कि अर्जुन नगर, सराय ख्वाजा, नरीपुरा, धनौली, मलपुरा और जगनेर रोड से आने वाले लोगों को रुई की मंडी, शाहगंज, एमजी रोड की तरफ जाने के दौरान जाम से जुझना पड़ता है। आगरा तहसील तक सीधे बिना रुके जाकेंगे। छावनी से भाजपा विधायक डॉ. जीएस धर्मेश ने

इस समस्या को देखते हुए वर्ष 2017 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन दिया। इसके बाद 65 करोड़ की डीपीआर बनी। इसके लिए लोक निर्माण विभाग से 17 करोड़ रुपये मिल गए। इसमें 12 करोड़ रेलवे और 5 करोड़ सेतु निगम को दिए गए। गति शक्ति योजना के अंदर देश के सभी रेलवे फाटकों

को बंद करने के कारण नई डीपीआर बनाई गई। अर्जुननगर, बारहखंभा और नगला छउआ पर भी आरओबी का निर्माण जुड़ गया। इनकी लागत 116 करोड़ है। इस पर खर्च रेलवे करेगा। नगला छउआ फाटक पर आगरा कंट से ईदगाह के लिए ट्रेन जाती है। वहीं, बारहखंभा फाटक

से राजस्थान की तरफ जाने वाली ट्रेन निकलती है। विधायक डा. जीएस धर्मेश ने बताया कि आरओबी तैयार होने के बाद एक लाख लोगों को आवागमन में सहूलियत होगी। ईदगाह रेलवे स्टेशन के आरओबी से मात्र दो से तीन मिनट में तहसील चौराहे तक जा सकेंगे।

रविंद्र जडेजा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पूरे किए 50 टेस्ट विकेट, जानिए आंकड़े



नईदिल्ली,26नवंबर। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने 50 टेस्ट विकेट पूरे करके एक और उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन अपना दूसरा विकेट लेकर यह आंकड़ा छूआ। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने अफ्रीकी के दोनों ओपनर्स को अपना शिकार बनाया। पहली पारी में जडेजा ने 2 विकेट अपने नाम किए थे।

भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी (489&10) के जवाब में केवल 201 रन ही बना सकी। दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी की शुरुआत भी अच्छी हुई, जिसमें ओपनर रायन रिक्केल्टन (35) और एडेन मार्क्रम (29) ने कुल 59 रन जोड़े। हालांकि, चौथे दिन जडेजा ने जल्दी से 2 विकेट लेकर ओपनर्स को वापस भेज दिया। पहली पारी में भी इस अफ्रीकी ओपनिंग जोड़ी ने 50 से अधिक रनों की साझेदारी की थी।दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना 11वां टेस्ट खेल रहे जडेजा ने 19 से ज्यादा की शानदार औसत से 50 विकेट पूरे किए हैं। इसमें 3 बार 5 विकेट हॉल शामिल है, जिसमें उनका बेस्ट 6&138 रहा है। अनिल कुंबले (84), जवागल श्रीनाथ (64), हसनजन सिंह (60) और रविचंद्रन अश्विन (57) अन्य भारतीय गेंदबाज हैं जिन्होंने प्रोटेियाज के खिलाफ 50 से ज्यादा टेस्ट विकेट लिए हैं। हालांकि, इनमें से किसी भी गेंदबाज का औसत 20 से कम नहीं है।

गुहावाटी टेस्ट: दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी में सधी हुई शुरुआत, हासिल की यह खास उपलब्धि



नईदिल्ली,26 नवंबर। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ गुवाहाटी में जारी दूसरे टेस्ट के चौथे दिन अपनी दूसरी पारी में सधी हुई शुरुआत की। टीम के सलामी बल्लेबाज रियान रिक्केल्टन (35) और एडेन मार्क्रम (29) ने पहले विकेट के लिए 59 रन की साझेदारी कर टीम को मजबूती दी। इसके साथ ही यह भारत में एक टेस्ट की दोनों पारियों में 50 रन की साझेदारी करने वाली प्रोटेियाज टीम की चौथी सलामी जोड़ी बन गई है।रिकेल्टन और मार्क्रम से पहले दक्षिण अफ्रीका की तीन सलामी जोड़ी यह कारनामा कर चुकी हैं। सबसे पहले साल 1996 में हर्सल गिब्स और गैरी कर्स्टन की सलामी जोड़ी ने मुंबई टेस्ट में यह कारनामा किया था। उसके बाद 2004 में ग्रीम स्मिथ और एंड्रयू ऑल की सलामी जोड़ी ने कानपुर टेस्ट की दोनों पारियों में अक्षतकीय साझेदारी की थी। इसी तरह ग्रीम स्मिथ और नील मैक्केंजी की जोड़ी ने 2008 में चेन्नई टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल की थी।इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 489 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था। जवाब में भारतीय टीम पहली पारी में केवल 201 रन ही बना सकी थी। इसके चलते प्रोटेियाज टीम पहली पारी में 288 रन की विशाल बढ़त हासिल करने में कामयाब रही थी। यह पिछले 50 सालों में तीसरा मौका था जब भारतीय टीम अपने देश में खेलते हुए पहली पारी में 250 रनों से पिछड़ी है।

केंद्र ने सीएसआईसी 1.0 किया लान्च, भारत के साइबर सिक्वोरिटी इकोसिस्टम को बनाएगा मजबूत



इलेक्ट्रानिक्स एवं आईटी मंत्रालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, भारत के साइबर सिक्वोरिटी इकोसिस्टम को मजबूत करने की एक ऐतिहासिक पहल के रूप में इंफोर्मेशन सिक्वोरिटी एजुकेशन एंड अवेयरनेस (आईएसईए) प्रोजेक्ट के तहत साइबर सिक्वोरिटी इनोवेशन चैलेंज (सीएसआईसी) 1.0 लॉन्च किया गया है।

एमईआईटीवाई के सचिव एस कृष्णन ने कॉन्सेट मीडियो, वेबसाइट और रजिस्ट्रेशन पोर्टल और सीएसआईसी 1.0 की रूल बुक को पेश किया।

एस कृष्णन ने दो-आयामी राष्ट्रीय साइबर सिक्वोरिटी रणनीति की आवश्यकता पर बल देते हुए उभरते खतरों के बारे में जागरूकता और टेक्नोलॉजिकल क्षमताओं को मजबूत करने की बात की।

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि सीएसआईसी 1.0 दोनोंअनिवार्यताओं को संबोधित करता है। यह पहल छात्रों को वास्तविक दुनिया की साइबर सिक्वोरिटी चुनौतियोंसेअवगत करवाती है। यह न केवल स्किल्ड प्रोफेशनल्स का निर्माण करती है और साइबर सिक्वोरिटी को एक व्यवहार्य करियर पथ के रूप में स्थापित करती है, बल्कि होमग्रोन, प्रोडक्ट-ऑरिएंटेड सॉल्यूशन को भी केंट्रलाइज करती है, जो भारत की साइबर सिक्वोरिटी को मज्बूत करते हैं।

डेटा सिक्वोरिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के सीईओ विनायक गोडसे ने इस बात पर प्रकाश डाला कि अपनी तरह की यह अनूठी पहल छात्रों और

लखनऊ, गुरुवार 27 नवंबर 2025



किया तो खेल की रफ्तार थोड़ी धीमी हो गई थी. गोल खाने के बाद भारत जल्दी जवाब देने के लिए बेताब था हालांकि, स्मैन इन ब्लू को जवाब देने के लिए दूसरे हाफ तक इंतजार करना पड़ा.अभिषेक ने 33वें मिनट में शानदार गोल करके बराबरी कर ली. भारत के बराबर करने से बेल्जियम की फिर से बढ़त लेने की इच्छा बढ़ गई. उन्होंने तीसरे क्वार्टर के बिल्कुल आखिरी मिनट में निकोलस डी कर्पेल के गोल से फिर से बढ़त बना ली. जैसे ही बेल्जियम ने आखिरी क्वार्टर की शुरुआत में ड्रुवेकॉट के दूसरे गोल से अंतर और बढ़ाया, भारत की हार लगभग पक्की हो गई।46वें मिनट में तीसरा गोल खाने के बाद भारत ने बराबरी करने की बहुत कोशिश की. वे पेनल्टी कॉर्नर से गोल करने के करीब थे. आखिर में, जब शिलानंद लाकड़ा ने 57वें मिनट में दूसरा गोल किया, तब तक बहुत देर हो चुकी थी. भारत आखिरकार दूसरा मैच 3–2 से हार गया. नतीजतन, भारत दो मैचों में तीन पॉइंट्स के साथ चौथे स्थान पर आ गया. दूसरी ओर बेल्जियम भारत को हराकर चार पॉइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गया.

लंच तक दक्षिण अफ्रीका ने बनाए 220 रन, 508 की बढ़त के बाद हार की कगार पर भारत

नईदिल्ली,26नवंबर। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन का खेल खेला जा रहा है. दक्षिण अफ्रीका ने लंच तक 70 ओवर में 4 विकेट गंवाकर 220 रन बना लिए हैं. ट्रिस्टन स्टब्स और वियान मुल्डर टीम के लिए अभी क्रीज पर नाबाद बने हुए हैं. दक्षिण अफ्रीका ने लंच तक 70 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 220 रन बनाए हैं. इसके साथ ही दक्षिण अफ्रीका ने भारत पर 508 रनों की बढ़त बना ली है. अब यहां से भारत की जीत काफी मुश्किल नजर आ रही है. चौथे दिन के दूसरे सेशन में अफ्रीका के लिए टोनी डी जोरजी ने 68 बॉल में 4 चौके और 1 छक्के के साथ 49 रनों की पारी खेली. जबकि ट्रिस्टन स्टब्स 155 बॉल में 5 चौकों के साथ 60 रन बनाकर नाबाद बने हुए हैं. उनका साथ वियान मुल्डर 29 दे रहे हैं. भारत के लिए दूसरे सेशन में एकमात्र विकेट जडेजा ने डी जोरजी के रूप में हासिल किया.

शेयर मार्केट की सुस्ती ने डुबोया निवेशकों का पैसा, 18 बड़े म्यूद्गचुअल फंड्स ने दिया निगेटिव रिटर्न, स्माल कैप में सबसे ज्यादा तबाही

मुंबई ,26 नवंबर । पिछले एक साल से भारतीय शेयर बाजार निवेशकों की कड़ी परीक्षा ले रहा है। हालात यह हैं कि अच्छे फंडमैटल वाले शेयर चुनने वाले दिग्गज निवेशकों के पोर्टफोलियो भी लाल निशान में रंगे नजर आ रहे हैं। शेयरों के मुकाबले कम जोखिम भरे माने जाने वाले म्यूचुअल फंड्स का प्रदर्शन भी बेहद निराशाजनक रहा है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, कम से कम 18 इक्विटी म्यूचुअल फंड योजनाओं ने निवेशकों की गाढ़ी कमाई डुबो दी है और पिछले 12 महीनों में शून्य या नकारात्मक (निगेटिव) रिटर्न दिया है।

एसीई म्यूचुअल फंड (एश्वय रूह्यहलह्यड्डय स्नहवठठस्त्र) के 31 अक्टूबर 2025 तक के आंकड़ों ने बाजार की कड़वी सच्चाई सामने ला दी है। स्मॉल-कैप, फ्लेक्सी-कैप, ईएलएसएस (श्वरुस्स), मल्टी-कैप, फोकस्ड और मिड-कैप जैसी श्रेणियों में फैले ये 18 पिछड़े हुए फंड सामूहिक रूप से करीब 1.29 लाख करोड़ रुपये की भारी-भरकम नुकसान मनेज करते हैं। डीटािलर बात यह है कि इन 18 फंडों में से 12 ने निवेशकों को सीधे तौर पर नुकसान पहुंचाया है। इस साल इक्विटी सेगमेंट में सबसे ज्यादा मार स्मॉल-कैप योजनाओं पर पड़ी है, जहां सात बड़े स्मॉल-कैप फंड शून्य-रिटर्न वाले निराशाजनक सूची में शामिल हो गए हैं।

दिग्गज फंड हाउस भी इस गिरावट से अछूते नहीं रहे हैं। करीब 36,945 करोड़ रुपये की संपत्ति (₹) के साथ इस श्रेणी का सबसे बड़ा श्पसबीआई स्मॉल कैप फंड्व 15 नवंबर 2025 तक मात्र 0.6 फीसदी का मामूली रिटर्न ही दे पाया है। वहीं, कोटक स्मॉल कैप फंड में 2.70 फीसदी और एचएसबीसी स्मॉल कैप फंड में 2.20 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। टाटा स्मॉल कैप फंड का प्रदर्शन और भी खराब रहा, जिसमें निवेशकों को 6.25 फीसदी का भारी नुकसान झेलना पड़ा। फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉल कैप फंड भी बमुरिक्ल 0.94 फीसदी रिटर्न दे सका।

बाजार की इस सुस्ती का असर केवल स्मॉल कैप तक सीमित नहीं है। क्वांट मल्टी कैप फंड ने महज 0.14 फीसदी रिटर्न दिया, जबकि क्वांट मिड कैप फंड (–0.15ल), जेएम फ्लेक्सी कैप फंड (–0.83ल) और नया एनजे फ्लेक्सी कैप फंड (–1.26ल) निगेटिव जोन में चले गए। इसके अलावा मोतीलाल अंसवाल फोकस्ड फंड और जेएम वैल्यू फंड ने भी निवेशकों को निराश ही किया। इन फंडों का एयूएम 1,000 करोड़ से 10,000 करोड़ रुपये के बीच है, जो यह दर्शाता है कि छोटे और मझोले आकार के फंड्स भारी दबाव में हैं।अगर सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले फंडों की बात करें तो सैमको फ्लेक्सी कैप फंड इस सूची में सबसे ऊपर है, जिसने पिछले एक साल में 11.32 फीसदी की भारी गिरावट दर्ज की। साल 2025 के आंकड़ों पर नजर डालें तो सैमको फ्लेक्सी कैप फंड ने 15.49 फीसदी, एलआईसी एमएफ स्मॉल कैप फंड ने 10.46 फीसदी और सैमको ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड ने करीब 9 फीसदी का नुकसान कराया है। इन आंकड़ों ने यह साबित कर दिया है कि बाजार की मौजूदा अस्थिरता में फंडमैटल्स मजबूत होने के बावजूद निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

हर 10 में 8 भारतीय व्यवसाय ट्रेड पालिसी में बदलाव को मानते हैं सकारात्मक : सर्वेक्षण

नई दिल्ली ,26 नवंबर । हर 10 में आठ भारतीय व्यवसाय, हाल में बदली ट्रेड पॉलिसी को एक सकारात्मक बदलाव मानते हैं और उनका कहना है कि अगले दो वर्षों में इसका प्रभाव देखने को मिलेगा। यह जानकारी मंगलवार को जारी एक सर्वेक्षण में दी गई।एचएसबीसी इंडिया के सर्वेक्षण में कहा गया कि भारतीय ध्यवसायों का आत्मविश्वास बढ़ रहा है और वे वैश्विक व्यापार की चुनौतियों का समाधान करने में पूरी तरह सक्षम हैं. वहीं, 77 प्रतिशत भारतीय व्यवसाय छह महीने पहले की तुलना में अपने परिचालन पर व्यापार नीति के प्रभाव के बारे में अधिक निश्चित हैं।सर्वेक्षण में कहा गया कि 49 प्रतिशत भारतीय बिजनेस बदलते व्यापारिक माहौल में स्वयं को अधिक सूचित और तैयार समझते हैं। यह महीने पहले यह आंकड़ा 44 प्रतिशत था। केवल 23 प्रतिशत भारतीय कंपनियों का मानना ​​​​है कि व्यापारिक अनिश्चितता अगले दो वर्षों में

नईदिल्ली26 नवंबर। भारतीय पुरुष हॉकी टीम को पहले मैच में साउथ कोरिया पर कड़ी मेहनत से मिली थी. इसके बाद भारत को सुल्तान अजलान शाह हॉकी कप 2025 के दूसरे मैच में शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा है. पांच बार की चैंपियन टीम टूर्नामेंट के दूसरे मैच में बेल्जियम से 2–3 से हार गई. बेल्जियम के लिए रोमेन ड्रुवेकॉट ने दो गोल किए. भारत के लिए अभिषेक और शिलानंद लाकड़ा ने गोल किए.सुल्तान अजलान शाह कप का 31वां एडिशन मलेशिया के इपोह में हो रहा है. पहले भारत का मुकाबला कल शाम बेल्जियम से होना था. लेकिन लगातार बारिश के कारण मैच टाल दिया गया. रीशेड्यूल किए गए शेड्यूल के अनुसार, दोनों टीमें मंगलवार सुबह इंडियन स्टैंडर्ड टाइम पर एक–दूसरे से भिड़ेंगी. बेल्जियम मौजूदा टूर्नामेंट में सबसे ऊंची रैंक वाली टीम है. वे अभी एफआईएच रैंकिंग में तीसरे स्थान पर हैं. नतीजतन, हाल ही में एशिया कप जीतने के बावजूद सातवें स्थान पर मौजूद भारत के लिए यह मैच बहुत आसान नहीं था.

बेल्जियम ने शुरु से ही भारतीय डिफेंस पर दबाव बनाना शुरू कर दिया. उन्होंने 10 मिनट बाद दिन का पहला पेनल्टी कॉर्नर जीता. हालांकि भारतीय डिफेंस बच गया, लेकिन दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में भारतीय डिफेंस ने बराबरी तोड़ दी. जब रोमन ड्रुवेकॉट ने 17वें मिनट में पहला गोल

किया तो खेल की रफ्तार थोड़ी धीमी हो गई थी. गोल खाने के बाद भारत जल्दी जवाब देने के लिए बेताब था हालांकि, स्मैन इन ब्लू को जवाब देने के लिए दूसरे हाफ तक इंतजार करना पड़ा.अभिषेक ने 33वें मिनट में शानदार गोल करके बराबरी कर ली. भारत के बराबर करने से बेल्जियम की फिर से बढ़त लेने की इच्छा बढ़ गई. उन्होंने तीसरे क्वार्टर के बिल्कुल आखिरी मिनट में निकोलस डी कर्पेल के गोल से फिर से बढ़त बना ली. जैसे ही बेल्जियम ने आखिरी क्वार्टर की शुरुआत में ड्रुवेकॉट के दूसरे गोल से अंतर और बढ़ाया, भारत की हार लगभग पक्की हो गई।46वें मिनट में तीसरा गोल खाने के बाद भारत ने बराबरी करने की बहुत कोशिश की. वे पेनल्टी कॉर्नर से गोल करने के करीब थे. आखिर में, जब शिलानंद लाकड़ा ने 57वें मिनट में दूसरा गोल किया, तब तक बहुत देर हो चुकी थी. भारत आखिरकार दूसरा मैच 3–2 से हार गया. नतीजतन, भारत दो मैचों में तीन पॉइंट्स के साथ चौथे स्थान पर आ गया. दूसरी ओर बेल्जियम भारत को हराकर चार पॉइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गया.

लंच तक दक्षिण अफ्रीका ने बनाए 220 रन, 508 की बढ़त के बाद हार की कगार पर भारत



गई है. इसके साथ ही अफ्रीका ने भारत पर 288 रनों की बढ़त हासिल की थी. अब तक अफ्रीका ने दूसरी पारी में शानदार बल्लेबाजी करते हुए भारत पर अपनी लीड को 350 के पार पहुंचा दिया है.

भारत के लिए पहली पारी में

यशस्वी जायसवाल टॉप स्कोरर रहे. उन्होंने 97 बॉल में 7 चौके और 1

छक्के के साथ 58 रनों की पारी खेली. उनके अलावा वाशिंगटन सुंदर

ने 92 गेंदों में 2 चौके और 1 छक्के के साथ 48 रनों की पारी खेली. टीम के लिए केरल राहुल ने 22, साई मार्को जानसेन शतक लगाने से चूक गए. उन्होंने 91 बॉल में 6 चौके और 7 छक्कों के साथ 93 रन बनाए.

अफ्रीका के लिए मार्को जानसेन ने 6

और साइमन हार्मर ने 3 विकेट

चटकाए.

इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के

लिए पहली पारी में सेतुरन शुशुसामी

109 रनों की शतकीय पारी खेली.

००

उन्होंने 206 गेंदों में 10 चौके और 2

छक्कों के साथ 109 रन बनाए, जबकि

मार्को जानसेन शतक लगाने से चूक

गए. उन्होंने 91 बॉल में 6 चौके और

7 छक्कों के साथ 93 रन बनाए.

भारत के लिए कुलदीप यादव ने

सबसे ज्यादा 4 विकेट चटकाए,

जबकि जसप्रीत बुमराह, रविंद्र जडेजा

और मोहम्मद सिराज ने 2–2 विकेट

हासिल किए हैं.

००



फीसदी रिटर्न दिया, जबकि क्वांट मिड कैप फंड (–0.15ल), जेएम फ्लेक्सी कैप फंड (–0.83ल) और नया एनजे फ्लेक्सी कैप फंड (–1.26ल) निगेटिव जोन में चले गए। इसके अलावा मोतीलाल अंसवाल फोकस्ड फंड और जेएम वैल्यू फंड ने भी निवेशकों को निराश ही किया। इन फंडों का एयूएम 1,000 करोड़ से 10,000 करोड़ रुपये के बीच है, जो यह दर्शाता है कि छोटे और मझोले आकार के फंड्स भारी दबाव में हैं।अगर सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले फंडों की बात करें तो सैमको फ्लेक्सी कैप फंड इस सूची में सबसे ऊपर है, जिसने पिछले एक साल में 11.32 फीसदी की भारी गिरावट दर्ज की। साल 2025 के आंकड़ों पर नजर डालें तो सैमको फ्लेक्सी कैप फंड ने 15.49 फीसदी, एलआईसी एमएफ स्मॉल कैप फंड ने 10.46 फीसदी और सैमको ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड ने करीब 9 फीसदी का नुकसान कराया है। इन आंकड़ों ने यह साबित कर दिया है कि बाजार की मौजूदा अस्थिरता में फंडमैटल्स मजबूत होने के बावजूद निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

हर 10 में 8 भारतीय व्यवसाय ट्रेड पालिसी में बदलाव को मानते हैं सकारात्मक : सर्वेक्षण



उनके परिचालन को प्रभावित कर सकती है, जो कि वैश्विक औसत 32 प्रतिशत से कम है।एचएसबीसी इंडिया के ग्लोबल ट्रेड सॉल्यूशंस के हेड मोहित अग्रवाल ने कहा,भारतीय व्यवसाय अपनी मजबूत और आशावाद के कारण निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। सर्वेक्षण से पता चलता है कि भारत के बिजनेस लीडर्स अपने वैश्विक समकक्षों की तुलना में अधिक आश्वस्त हैं और कई लोगों को उम्मीद है कि व्यापार नीति में बदलाव उनके विकास पर सकारात्मक प्रभाव डालेंगे। यह आत्मविश्वास उभरते वैश्विक व्यापार परिदृश्य में भारत की मजबूत स्थिति को दर्शाता है। फंडिंग की कमी को दूर करने के लिए 82 प्रतिशत भारतीय व्यवसाय सक्रिय रूप से वैकल्पिक फाइनेंसिंग स्रोतों की तलाश कर रहे हैं।सर्वेक्षण के मुताबिक, 78 प्रतिशत भारतीय बिजनेस का मानना ​​​​है कि उनकी आय अगले दो वर्षों में बढ़ेगी, जो कि 57 प्रतिशत के वैश्विक औसत से काफी अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया कि भारतीय व्यवसाय पड़ोसी बाजारों के साथ व्यापार को तरजीह दे रहे हैं और दक्षिण पूर्व एशिया, यूरोप, दक्षिण एशिया, पूर्वोत्तर एशिया और ओशिनिया में अपनी उपस्थिति बढ़ाने की योजना बना रहे हैं।

